सच्ची बात, पाठकों के साथ | नागपुर, गुरुवार 28 अगस्त 2025 | @ www.rashtrabaan.in | पृष्ठ :8 | वर्ष :2 | अंक : 272 | मूल्य:₹ 5

राष्ट्रबाण

मध्य भारत का लोकप्रिय दैनिक

।। धर्मो रक्षति रक्षितः ।।

पहाड़ों पर आफत की बारिश

जम्मू में बारिश ने तोड़ा 52 साल का रिकॉर्ड

खतरे के निशान के ऊपर बह रही झेलम

3500 से ज्यादा रेस्क्यू

और उफान पर नदियां

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. भारतीय मौसम विभाग ने भारी बारिश और आंधी-तूफान को लेकर उत्तर भारत के कई राज्यों के लिए रेड अलर्ट जारी किया. इसमें जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश शामिल हैं. चेतावनी के मुताबिक इन इलाकों में 2 घंटे तक तेज बारिश और गरज-चमक के साथ तूफान की स्थिति बन सकती है. वहीं, दिल्ली-एनसीआर समेत कई हिस्सों में भी बदरा जमकर बरस रहे हैं. मौसम विभाग ने बताया कि उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश होगी. जम्मू और पंजाब के उत्तरी इलाकों में अत्यधिक बारिश दर्ज की गई. विभाग ने साफ किया कि अगले 5 दिनों तक बारिश का दौर जारी रहेगा, हालांकि धीरे-धीरे बारिश की रफ्तार कम होगी. वहीं, अगले सात दिनों तक उत्तराखंड, हिमाचल, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर और पंजाब में भारी बारिश का पूर्वानुमान है.

जम्मू-कश्मीर के कटरा में अर्धकुंवारी के पास माता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर भारी बारिश के बीच हुए भीषण भूस्खलन में अभी तक 34 लोगों की मौत हो गई है. जबकि कई लोग जख्मी हो गए. मलबे में कई लोगों के फंसे होने की आशंका के बीच रेस्क्यू टीम सर्च ऑपरेशन चला रही हैं. वहीं, झेलम नदी खतरे के निशान के ऊपर बह रही है. जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश ने तबाही मचाई है, जिससे अचानक बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति पैदा हो गई. जम्मू में, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों को भारी नुकसान पहुंचा, पुल ढह गए और बिजली की लाइनें और मोबाइल टावर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए. लगातार भारी बारिश के कारण पूरे ज़िले में अचानक बाढ़ और जलभराव के बाद मंगलवार तक 3500 से ज़्यादा निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया.

जम्मू में बुधवार सुबह 8:30 बजे तक 24 घंटे की अवधि में 296.0 मिमी बारिश दर्ज की गई, जिसने 9 अगस्त 1973 का 272.6 मिमी का रिकॉर्ड तोड़ दिया. वहीं, उधमपुर में इसी अवधि के दौरान 629.4 मिमी बारिश हुई, जो 31 जुलाई 2019 को दर्ज किए गए 24 घंटे के पिछले रिकॉर्ड 342.0 मिमी से लगभग दोगुनी है.

सीएम उमर अब्दुल्ला ने पीएम मोदी को दी हालात की जानकारी

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जम्मू क्षेत्र में भारी बारिश और बाढ़ से बनी स्थिति की जानकारी दी. साथ ही केंद्र सरकार द्वारा हर संभव मदद के आश्वासन के लिए आभार जताया. सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि मैंने प्रधानमंत्री से बात की है. मैंने उन्हें स्थिति से अवगत कराया. मैं एनडीआरएफ टीमों की तैनाती के लिए उनका धन्यवाद करता हूं. उन्होंने मुझे आश्वासन दिया है कि केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर के लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करेगी.

सीएम ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया

जम्मू के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने के बाद अब्दुल्ला ने X पर बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री को सबसे ज़्यादा प्रभावित इलाकों की स्थिति से अवगत कराया. उन्होंने तवी नदी के किनारे जम्मू के कुछ हिस्सों का दौरा किया, जहां कल भारी नुकसान हुआ था.

तवी नदी पर बने पुल का जिक्र

अब्दुल्ला ने जम्मू शहर में तवी नदी पर बने पुल को हुए नुकसान का ज़िक्र किया और कहा कि मैं डिविजनल कमिश्नर को बता रहा था कि 2014 में भी इसी जगह पर पुल क्षतिग्रस्त हुआ था. इस तरफ एक खतरा है जिसे हम ठीक से समझ नहीं पाए थे.

सांबा, कठुआ समेत कई हिस्से प्रभावित

सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि तवी और अन्य नदियों के किनारे रहने वाले लोग हमेशा खतरे में रहते हैं, इसलिए भविष्य में इनके पुनर्वास पर विचार करना होगा. अभी राहत और बचाव कार्य तेज़ी से जारी हैं. जम्मू, सांबा, कठुआ, उदयपुर और डोडा-किश्तवाड़ के कई हिस्से प्रभावित हुए हैं.

पीएम मोदी ने जताई चिंता

वैष्णो देवी में हुए भूस्खलन में हुई जानमाल के नुकसान पर दुख व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि प्रशासन इस घटना से प्रभावित सभी लोगों की सहायता कर रहा है. उन्होंने X पर कहा कि श्री माता वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले मार्ग पर भूस्खलन के कारण हुई जान-माल की हानि दुखद है.

रेहड़ी-पटरी वालों के लिए खुशखबरी!

अब मिलेगा बड़ा फायदा

7,332 करोड़ का बजटीय प्रावधान भी स्वीकृत

केंद्रीय मंत्रिमंडल का फैसला

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना को बढ़ाकर अब मार्च 2030 तक जारी रखने की मंजूरी दे दी है. इसके साथ ही, सरकार ने इस योजना के लिए ₹7,332 करोड़ का बजटीय प्रावधान भी स्वीकृत किया है. इस योजना का मुख्य उद्देश्य देशभर के रेहड़ी-पटरी और छोटे ठेला व्यापारियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकें और आत्मनिर्भर बन सकें. सरकार के इस फैसले से 1.15 करोड़ लाभार्थियों को सीधे फायदा होगा.

क्या है डिटेल

नए फैसले के तहत प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत अब कुल 1.15 करोड़ लाभार्थियों को कवर किया जाएगा, जिसमें लगभग 50 लाख नए स्ट्रीट वेंडर्स भी शामिल होंगे. इस संशोधित योजना में बढ़ी हुई ऋण सीमा, यूपीआई-लिंक्ड रुपे क्रेडिट कार्ड और डिजिटल कैशबैक इंसेंटिव जैसी सुविधाएं जोड़ी गई हैं, ताकि छोटे व्यापारियों को डिजिटल भुगतान अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके.

कैबिनेट ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 के लिए भारत की दावेदारी को दी मंजूरी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 के लिए बोली लगाने के लिए युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है. दावेदारी के लिये बोली जमा करने की आखिरी तारीख 31 अगस्त है. IOA अगले 48 घंटे में प्रक्रिया पूरी कर सकता है. कॉमनवेल्थ गेम्स की आमसभा नवंबर के आखिरी सप्ताह में ग्लास्गो में मेजबान देश पर फैसला लेगी. कनाडा के वित्तीय कारणों से पीछे हटने के बाद भारत की मेजबानी की संभावना प्रबल हो गई है. कैबिनेट बैठक के बाद जारी PIB के बयान में कहा गया कि भारत की ओर से कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी के लिए अहमदाबाद की दावेदारी पेश की जाएगी. गुजरात का अहमदाबाद वर्ल्ड लेवल स्टेडियम, अत्याधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं वाला एक आदर्श मेजबान शहर है. दुनिया के सबसे बड़े नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में ICC क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 फाइनल मैच खेला जा चुका है. कॉमनवेल्थ गेम्स में 72 देशों के एथलीट बड़ी संख्या में भाग लेंगे. इस आयोजन से पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ रोजगार और खेलों से परे विभिन्न क्षेत्रों में अवसर सृजित होंगे. खेलों के अलावा, भारत में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, रोजगार के मौके पैदा होंगे और लाखों युवा एथलीटों को प्रेरणा मिलेगी. इसके अलावा, खेल विज्ञान, आयोजन संचालन एवं प्रबंधन, रसद एवं परिवहन समन्वयक, प्रसारण एवं मीडिया, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार, जनसंपर्क एवं संचार तथा अन्य क्षेत्रों में भी बड़ी संख्या में पेशेवरों को मौके मिलेंगे.

फास्ट ट्रैक

सुको को मिलने जा रहे 2 नए जज

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट को 2 और जज मिलने वाले हैं. पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस विपुल मनुभाई पंचोली और मुंबई हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस आलोक अराधे की सुप्रीम कोर्ट में नियुक्ति के लिए राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने मंजूरी देते हुए अनुमति जारी कर दिया है.

जस्टिस पंचोली के शपथ ग्रहण के साथ ही सुप्रीम कोर्ट में गुजरात हाईकोर्ट मूल वाले जजों की तादाद 3 हो जाएगी. इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट जजों की पूरी क्षमता 34 जजों के साथ काम करने लगेगा. केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश के 48 घंटों के भीतर नियुक्ति पत्र जारी कर दिया है. हालांकि कॉलेजियम ने 4:1 के बहुमत से ये प्रस्ताव पारित किया गया था. जस्टिस बीवी नागरत्ना ने असहमति का नोट दिया था. इसके बाद विस्तृत नोट सार्वजनिक भी हो गया. जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि पहले ही सुप्रीम कोर्ट में गुजरात के 2 जज हैं. तीसरा जज लाने से क्षेत्रीय संतुलन भी बिगड़ेगा. साथ ही ये नियुक्ति न्याय प्रशासन के लिए 'उल्टा असर' करेगी और कॉलेजियम सिस्टम की विश्वस-नीयता भी सवालों के कठघरे में

गड़चिरोली-नारायणपुर सीमा पर पुलिस और माओवादियों के बीच मुठभेड़

4 माओवादी ढेर, बड़ी संख्या में गोला बारूद बरामद

राष्ट्रबाण

गड़चिरोली. गड़चिरोली जिले में माओवादी विरोधी अभियान के तहत पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है. करीब 8 घंटे तक चली भीषण मुठभेड़ के बाद तलाशी अभियान में कुल 4 माओवादी (1 पुरुष एवं 3 महिला) मारे गए. घटनास्थल से 1 एसएलआर राइफल, 2 इंसास राइफल और 1 .303 राइफल बरामद की गई हैं. सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर, गट्टा दलम, कंपनी नंबर 10 और गड़चिरोली डिवीजन के अन्य माओवादी कोपरशी वन क्षेत्र (गड़-

चिरोली-नारायणपुर सीमा) में छिपे हुए थे. इस सूचना के बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मिशन) एम रमेश के नेतृत्व में सी-60 की 19 टीमें और सीआरपीएफ क्यूएटी की 02 टीमें तलाशी अभियान के लिए रवाना की गईं.

भारी बारिश के बीच भी डटे रहे जवान

लगातार हो रही भारी बारिश के बीच जब पुलिस दल आज सुबह उस क्षेत्र में पहुंचे और तलाशी अभियान चला रहे थे, तभी माओवादियों ने पुलिस दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी. पुलिस ने भी मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की.पुलिस का माओवादी विरोधी अभियान अभी भी जारी है और शेष माओवादियों की तलाश की जा रही है.

नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ने के लिए काम कर रही मोदी सरकार

अप्रैल 2025 में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था, नक्सलवाद मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारत ने वामपंथी उग्रवाद से अति प्रभावित जिलों की संख्या 12 से घटाकर 6 कर एक नया मील का पत्थर हासिल किया है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (X) पर एक पोस्ट में, केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने कहा, मोदी सरकार सर्वव्यापी विकास के लिए अथक प्रयासों और नक्सलवाद के खिलाफ दृढ़ रुख के साथ सशक्त, सुरक्षित और समृद्ध भारत बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित है. हम 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह से जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए प्रतिबद्ध हैं.

'अंतरराष्ट्रीय ट्रेड हो लेकिन उसमें दबाव नहीं होना चाहिए'

बोले RSS प्रमुख मोहन भागवत

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कई मुद्दों पर बयान दिए हैं. उन्होंने व्यापार, हिंदुत्व और संघ की विचारधारा पर अपनी बात रखी. भागवत ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार होना चाहिए, लेकिन वह दबाव में नहीं होना चाहिए. उन्होंने स्वदेशी पर जोर दिया और कहा कि जो चीजें देश में बनती हैं, उन्हें ही इस्तेमाल किया जाना चाहिए. मोहन भागवत ने कहा, अंतरराष्ट्रीय व्यापार चलेगा, लेकिन इसमें दबाव नहीं होना चाहिए. हम घर में शिकंजी बनाकर पी सकते हैं, कोल्ड ड्रिंक क्यों पीनी है. जो अपने देश में बनता है, उसको देश में बनाना और खाना चाहिए. उन्होंने हिंदुत्व की विचारधारा को 'सत्य और प्रेम' के दो शब्दों में समझाया. उन्होंने कहा कि दुनिया एकजुटता पर चलती है, सौदों या अनुबंधों पर नहीं. हिंदू राष्ट्र का जीवन मिशन विश्व कल्याण है.

संघ की आलोचना और मकसद

मोहन भागवत ने कहा कि किसी भी स्वयंसेवी संगठन का इतना कड़ा और कटु विरोध नहीं हुआ, जितना संघ का हुआ है. 1925 में संघ की स्थापना करते वक्त, डॉ. हेडगेवार ने 'संपूर्ण हिंदू समाज का संगठन' बनाने की बात कही थी. आरएसएस चीफ ने कहा, हिंदू राष्ट्र का मिशन क्या है? हमारा हिंदुस्तान, इसका मकसद विश्व कल्याण है. विकास के क्रम में दुनिया ने अपने अंदर खोजना बंद कर दिया. अगर हम अपने अंदर खोजें, तो हमें शाश्वत सुख का स्रोत मिलेगा, जो कभी खत्म नहीं होगा. इसे पाना ही मानव जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य है और इसी से सभी सुखी होंगे. सभी एक-दूसरे के साथ सद्भाव से रह सकेंगे, विश्व के संघर्ष समाप्त हो जाएंगे. विश्व में शांति और सुख होगा. उन्होंने आगे कहा, जिसे हिंदू समाज कहते हैं, उसे देश के प्रति जिम्मेदार रहना होगा. संघ के एक पुराने प्रचारक दादा राव परमारथ ने आरएसएस को 'हिंदू राष्ट्र के जीवन मिशन का विकास' बताया था. मोहन भागवत ने कहा, संघ 100 साल चलने के बाद भी नए क्षितिज का वर्णन क्यों कर रहा है? एक वाक्य में उत्तर देना है, तो प्रार्थना के अंत में हम स्वयंसेवक लोग रोज कहते हैं- भारत माता की जय.

सुबह उद्धव पहुंचे तो शाम को CM फडणवीस

गणेश चतुर्थी पर राज ठाकरे के 'शिवतीर्थ' में नेताओं का जमावड़ा

राष्ट्रबाण

मुंबई. गणेश चतुर्थी के अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस राज ठाकरे के निवास 'शिवतीर्थ' पहुंचे. इस दौरान उन्होंने भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की. इस अवसर पर कई राजनेताओं का जमावड़ा लगा. शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राऊत भी राज ठाकरे के निवास पहुंचे. इससे पहले, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भी अपने परिवार के साथ राज ठाकरे के निवास का दौरा किया था. इन दोनों चचेरे भाइयों की दशकों बाद बढ़ती नजदीकियां राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गई हैं. उद्धव और राज ठाकरे करीब 20 साल बाद एक साथ मंच पर आए थे, जब उन्होंने जुलाई में वर्ली में एक रैली की थी. यह रैली राज्य सरकार द्वारा स्कूलों में हिंदी को अनिवार्य करने के फैसले के विरोध में आयोजित की गई थी.

राजनीतिक समीकरणों में बदलाव...

वर्ली रैली के बाद से दोनों भाई (राज और उद्धव ठाकरे) लगातार एक-दूसरे के करीब आते दिख रहे हैं. रैली के कुछ दिन बाद राज ठाकरे उद्धव के जन्मदिन पर 'मातोश्री' भी पहुंचे थे. यहां दोनों ने बाल ठाकरे की तस्वीर के सामने मिलकर पोज दिया था. इस बढ़ती नजदीकी को आगामी 2026 के बीएमसी चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है. राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अगर दोनों दल मिलकर चुनाव लड़ते हैं, तो इसका मराठी वोट बैंक पर गहरा असर पड़ेगा.

'सेना को 5 साल तक के युद्ध के लिए तैयार रहना चाहिए'

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कही ऐसी बात

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत की सेनाओं को अपनी तैयारी मजबूत करने के लिए कहा है. राजनाथ सिंह ने यहां तक कह दिया है कि भारत के सशस्त्र बलों को छोटी लड़ाइयों से लेकर 5 साल तक की जंग समेत सभी तरह की सुरक्षा चुनौतियों के लिए तैयार रहना चाहिए. दरअसल बुधवार को राजनाथ सिंह महू सैन्य छावनी के आर्मी वॉर कॉलेज में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे.

युद्ध अचानक और अप्रत्याशित हो गए हैं:सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा- आज के दौर में युद्ध इतने अचानक और अप्रत्याशित हो गए हैं कि यह अनुमान लगाना बहुत मुश्किल है कि कोई युद्ध कब समाप्त होगा और कितने समय तक चलेगा. भारतीय सशस्त्र बलों को हर स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए.

जयशंकर के तीखे बयान की USA के TV चैनलों पर चर्चा

ट्रंप के वित्त मंत्री बोले-भारत दुनिया का बड़ा लोकतंत्र

राष्ट्रबाण

वाशिंगटन. भारत पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से बुधवार से 50 फीसदी टैरिफ लागू कर दिए जाने से दोनों देशों के रिश्तों में काफी ज्यादा तल्खी आ गई है. इस बीच भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के एक बयान ने अमेरिका में हड़कंप मचा दिया है. अमेरिका के टेलीविजन चैनलों पर जयशंकर के इस बयान की खूब चर्चा हो रही है. जयशंकर के इस बयान के बाद अमेरिका के रुख में भी नरमी देखी जा रही है. अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट को जयशंकर के तीखे बयान के बाद यहां तक कहना पड़ा कि भारत दुनिया का बड़ा लोकतंत्र है.

जयशंकर के बयान की अमेरिका में चर्चा

दरअसल रूस से भारत के तेल खरीदे जाने के आरोपों पर जयशंकर ने कहा कि अगर अमेरिका को भारत द्वारा रूसी तेल खरीदने से समस्या है तो वह भारत से शोधित तेल खरीदना बंद कर दे. जयशंकर के इस तल्ख बयान से अमेरिका के होश उड़ गए हैं.

व्यवसाय

अमेरिका के 50% टैरिफ का बड़ा जवाब, बनी स्ट्रैटेजी

भारत कपड़ा निर्यात बढ़ाने 40 देशों में चलाएगा अभियान

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. अमेरिका की तरफ से भारतीय उत्पादों पर 50% टैरिफ लगाए जाने के बाद, भारत ने कपड़ा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए ब्रिटेन, जापान, दक्षिण कोरिया समेत 40 प्रमुख देशों में विशेष प्रचार अभियान चलाने की योजना बनाई है. इन 40 देशों में जर्मनी, फ्रांस, इटली, स्पेन, नीदरलैंड, पोलैंड, कनाडा, मेक्सिको, रूस, बेल्जियम, तुर्की, संयुक्त अरब अमीरात और ऑस्ट्रेलिया जैसे महत्वपूर्ण बाजार भी शामिल हैं. एक अधिकारी का कहना है कि भारत इन बाजारों में एक रणनीतिक योजना के तहत काम

इन 40 देशों में असली अवसर

इस पहल का मकसद भारत को गुणवत्ता, स्थिरता और नवीनता वाले कपड़ा उत्पादों का भरोसेमंद आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करना है. भारत पहले से ही 220 से अधिक देशों को वस्त्र निर्यात करता है, लेकिन इन 40 देशों में असली अवसर हैं, जहां कुल मिलाकर लगभग 590 अरब डॉलर का वस्त्र और परिधान आयात होता है. भारत की वर्तमान बाजार हिस्सेदारी मात्र 5-6% है, जिसे बढ़ाने का लक्ष्य है.

48 अरब डॉलर से अधिक के निर्यात प्रभावित होंगे

सरकार इन बाजारों में परंपरागत और नए दोनों तरह के क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दे रही है ताकि निर्यात को व्यापक रूप से बढ़ावा दिया जा सके. अमेरिका द्वारा 27 अगस्त से लागू 50% टैरिफ के कारण भारत के 48 अरब डॉलर से अधिक के निर्यात प्रभावित होंगे. खास तौर पर कपड़ा, रत्न-आभूषण, झींगा, चमड़ा और फुटवियर, पशु उत्पाद, रसायन, इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल मशीनरी क्षेत्र इससे भारी प्रभावित होंगे. वस्त्र और परिधान क्षेत्र का आकार वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग 179 अरब डॉलर का अनुमान है, जिसमें 142 अरब डॉलर घरेलू बाजार और 37 अरब डॉलर निर्यात है. विश्व स्तर पर इस क्षेत्र का आयात बाजार 800 .77 अरब डॉलर का है.

एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल की होगी अहम भूमिका

एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल भारत की इस रणनीति का अहम हिस्सा होंगी. ये काउंसिल बाजार की मांग को समझेंगी, प्रमुख उत्पादन केंद्रों जैसे सूरत, पानीपत, तिरुपुर, भदोही को लक्षित देशों से जोड़ेंगी, और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों व प्रदर्शनों में भारत की भागीदारी को बढ़ावा देंगी. साथ ही 'ब्रांड इंडिया' के तहत विभिन्न सेक्टरों की मार्केटिंग भी करेंगी. ये काउंसिल फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स (एफटीए) का उपयोग, स्थिरता मानकों का पालन और जरूरी सर्टिफिकेट हासिल करने में निर्यातकों की मदद करेंगी. एफटीए और कई देशों के साथ चल रही बातचीत से भारतीय निर्यात प्रतिस्पर्धी बनेगा और इस क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं हैं.

संपादकीय

मेरिट बनाम मौकापरस्ती

देश में उपराष्ट्रपति के चुनाव की प्रक्रिया आरंभ हो गई है. भाजपा की अगुआई वाले राजग तथा कांग्रेस की अगुआई वाले विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए ने अपने-अपने उम्मीदवारों का चयन कर लिया है. राजग ने सीपी राधाकृष्णन को प्रत्याशी बनाया है. इसके उलट आइएनडीआइए ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी को प्रत्याशी बनाया है. ये दोनों राष्ट्र के लिए दो बिल्कुल विपरीत दृष्टिकोणों की तस्वीर पेश करते हैं. वास्तव में यह चुनाव मेरिट बनाम मौकापरस्ती की टक्कर है. सीपी राधाकृष्णन ने कोयंबटूर से दो बार सांसद के रूप में सेवा की और दशकों की निष्ठा के जरिए जनता का विश्वास अर्जित किया. झारखंड के राज्यपाल के रूप में उन्होंने संवैधानिक दायित्वों को गरिमा और दृढ़ता के साथ निभाया, आम आदमी से जुड़े रहे और सामाजिक परिवर्तन सुनिश्चित किया.

उनका उपराष्ट्रपति पद तक पहुंचना जनता और संविधान के प्रति आजीवन सेवा की मान्यता है. उनकी उम्मीदवारी तमिलों और दक्षिण भारत के कई लोगों के लिए व्यक्तिगत भावनाओं से जुड़ी है. यह संकेत है कि नई दिल्ली में उनकी आवाज मायने रखती है. यह कोई रहस्य नहीं कि कांग्रेस शासन के चरम काल में तमिलनाडु अक्सर राष्ट्रीय राजनीति से उपेक्षित महसूस करता था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह स्थिति बदली है. राधाकृष्णन का उत्थान नए भारत की कहानी में तमिलनाडु की केंद्रीयता का सशक्त प्रतीक है. पीएम मोदी की तमिलनाडु के प्रति प्रतिबद्धता इस नामांकन से कहीं आगे जाती है. पिछले एक दशक में उन्होंने सुनिश्चित किया है कि तमिल नेता भारत की शासन प्रणाली में अग्रणी भूमिका निभाएं. जैसे कि डा. तमिलिसाई सैंदरराजन ने तेलंगाना और पुदुचेरी के राज्यपाल के रूप में अपनी विशेषज्ञता और नेतृत्व का प्रदर्शन किया. निर्मला सीतारमण का रक्षा और वित्त मंत्री के रूप में कार्यकाल भारत की आर्थिक दृढ़ता का वैश्विक प्रतीक बना है. डा. एस. जयशंकर की तीक्ष्ण कूटनीति और विदेश मंत्री के रूप में सेवा ने भारत की आवाज को विश्व मंच पर बुलंद किया है. ये सिर्फ प्रतीकात्मक नियुक्तियां नहीं हैं, बल्कि यह प्रमाण है कि पीएम मोदी तमिलनाडु को प्रतिभा का पावरहाउस और हमारी सामूहिक भारतीय विरासत का भंडार मानते हैं. संयुक्त राष्ट्र में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा प्राचीन तमिल ग्रंथ तिरुक्कुरल का उद्धरण देना, तमिल को विश्व की सबसे पुरानी भाषा घोषित करना या पवित्र सेंगोल को सम्मान की जगह देना, ये पल केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि तमिल पहचान को भारत के आत्मा का अभिन्न हिस्सा मानने का उत्सव हैं. इसमें काशी तमिल संगमम और सौराष्ट्र तमिल संगमम जैसी पहलें भी जुड़ जाती हैं, जो तमिल परंपराओं को अन्य क्षेत्रों की परंपराओं से जोड़ती हैं. राधाकृष्णन इसी एक भारत की भावना का प्रतीक हैं.

इसके विपरीत आइएनडीआइए के चुनाव में अवसरवाद और पाखंड की बू आ रही है, जिससे साफ है कि यह गठबंधन सिद्धांतों से अधिक राजनीतिक अवसरवाद पर केंद्रित है. 2013 में जब रेड्डी को गोवा का पहला लोकायुक्त नियुक्त किया गया था, तब कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने उन्हें भाजपा का "हां-में-हां मिलाने वाला आदमी" बताया था. आज 2025 में वही कांग्रेस-नेतृत्व वाला गठबंधन उन्हें "न्याय का चैंपियन" बता रहा है. रेड्डी का न्यायिक रिकार्ड भी विश्वास नहीं जगाता. 2011 में छत्तीसगढ़ में माओवाद विरोधी पहल सलवा जुडूम को खारिज करने का उनका फैसला भारत की माओवादी हिंसा से लड़ाई के लिए झटका माना गया.

अमेरिका नहीं चाहता भारत का उभार

अब देश को चौगुनी शक्ति से करना होगा काम दिव्य कुमार सोती. भारत द्वारा 1998 में पोखरण परमाणु परीक्षणों के बाद अमेरिका द्वारा उस पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों का कोई प्रभाव न होते देख और चीन एवं इस्लामिक कट्टरपंथ के उभार से चिंतित अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने यह निर्णय लिया कि भारत से कटकर एशिया की भूराजनीति चलाना संभव नहीं है.

हालांकि उस दौर में दोनों देशों के संबंधों में इतनी कटुता आ चुकी थी कि एकदम से सब कुछ सामान्य हो पाना संभव नहीं था. इसलिए भारत और अमेरिका कैसे एशिया की अगली सदी को मिलकर गढ़ सकते हैं, इस पर चर्चा के लिए अमेरिकी उप विदेश मंत्री स्ट्रोब टालबोट और भारतीय विदेश मंत्री जसवंत सिंह के बीच 11 दौर की गुप्त वार्ता विश्व में अलग-अलग स्थानों पर हुई. इन वार्ताओं से अमेरिका में यह सहमति बनी कि भारत के सामरिक उदय को सुनिश्चित किया जाना पूरे एशिया और समूचे विश्व की सुरक्षा और स्थिरता के लिए आवश्यक है.

यह कुछ-कुछ वैसा ही था, जैसा निक्सन और किसिंजर द्वारा 1970 के दशक में यह तय करना कि अमेरिका सोवियत संघ को कमजोर करने के लिए चीन का उदय सुनिश्चित करेगा. टालबोट-जसवंत वार्ता की परिणति ही भारत के ऊपर से अमेरिकी प्रतिबंध हटाए जाने, कारगिल युद्ध के समय राष्ट्रपति क्लिंटन के भारत की ओर झुकाव के रूप में दिखाई दी. भारत के उदय को सुनिश्चित करने की इस नीति के पक्षधर डेमोक्रेट और रिपब्लिकन दोनों ही बने.

क्लिंटन के बाद रिपब्लिकन राष्ट्रपति जार्ज बुश ने पहले प्रधानमंत्री वाजपेयी और बाद में मनमोहन सिंह के साथ मिलकर भारत-अमेरिका परमाणु समझौते की रूपरेखा तैयार की और उसे मूर्त रूप भी दिया गया. इससे जरिये भारत को परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर किए बिना भी एक जिम्मेदार परमाणु शक्ति के तौर पर स्वीकार कर लिया गया और अमेरिका ने चीन के विरोध को दरकिनार करते हुए भारत को परमाणु आपूर्तिकर्ता संगठन का सदस्य भी बनवाया. द्विपक्षीय संबंधों में प्रगाढ़ता धीरे-धीरे आगे बढ़ती रही. दोनों देशों के बीच 2005 में बनी रणनीतिक साझेदारी को 2020 में राष्ट्रपति ट्रंप के पहले कार्यकाल में समग्र वैश्विक और सामरिक साझेदारी का रूप दिया गया. भारत ने अमेरिका के साथ कई अहम रक्षा समझौते भी किए. यह सिलसिला एक बड़ी हद तक ट्रंप के पहले कार्यकाल और .बाइडेन के दौर तक चलता रहा, लेकिन ट्रंप के दूसरे कार्यकाल विशेषकर आपरेशन सिंदूर के बाद के परिदृश्य में अमेरिकी रवैया बदल गया. कुछ लोग इसे भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष-विराम के ट्रंप के दावे को भारत द्वारा बार-बार खारिज करने से भी जोड़कर देख रहे हैं. यह पूरी तरह सही नहीं.

अमेरिका में एक तबका भारत से कुछ अनावश्यक उम्मीदें रखता आया है. ऐसी ही एक उम्मीद ताइवान से जुड़ी है. वहां एक वर्ग चाहता है कि ताइवान पर संभावित चीनी हमले की स्थिति में भारत उसके मुकाबले में सहायक बने, मगर भारत यूक्रेन की तरह अमेरिकी सामरिक हितों को साधने के लिए कोई भाड़े पर लड़ने वाला देश नहीं बन सकता. यह बात वाशिंगटन को पच नहीं रही. यह उसकी समझ से बाहर है कि अमेरिका संग कई रक्षा समझौतों के बाद भी कोई देश अपना सामरिक चुनाव खुद कैसे कर सकता है? भारत के मामले में ऐसा होते देख अमेरिका की सामरिक बिरादरी कुंठा और गुस्से से भरी पड़ी है.

भारतीय मामलों पर वाशिंगटन में एक बड़ी आवाज माने जाने वाले एश्ले टैलिस ने 2023 में ही एक लेख में लिखा था कि अमेरिका ने भारत पर गलत दांव लगाया है. एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि अमेरिका चीन के साथ युद्ध की स्थिति में भारत की तटस्थता बर्दाश्त नहीं कर सकता.

इनफ्लुएंसर्स को सुको की चेतावनी

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के कंटेंट से जुड़े मामले में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने जो कुछ कहा है, उसे बहुत सावधानी से लेने की जरूरत है. समय रैना समेत पांच सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स की टिप्पणियों को दिव्यांगों की गरिमा के खिलाफ पाया गया है. इंटरनेट सेंसेशन के इस दौर में जब अपने कंटेंट को वायरल बनाने की इच्छा सब पर हावी होती दिख रही है, इस केस ने यह ध्यान दिलाया है कि हर दूसरे अधिकार की तरह अभिव्यक्ति की आजादी भी अपने साथ जिम्मेदारी लेकर आती है. सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में ठीक ही बेहद सख्त रुख दिखाते हुए कहा कि किसी को भी दूसरों पर, खासकर दिव्यांगों, बीमारों, जैसे कमजोर तबकों पर हंसने की छूट नहीं दी जा सकती. अदालत का यह मानक भी तर्कसंगत कहा जाएगा कि प्रायश्चित के तौर पर की जाने वाली क्षतिपूर्ति होने वाले नुकसान के मुकाबले ज्यादा होनी चाहिए. इसमें दो राय नहीं कि ऑनलाइन कंटेंट से जुड़े मामलों के लिए सरकार की ओर से गाइडलाइन होनी चाहिए. इस सिलसिले में अटॉर्नी जनरल की तरफ से बताया गया कि सभी स्टेकहोल्डर्स से बातचीत की

प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है. लेकिन कोर्ट ने भी माना कि इस तरह की कोई भी गाइ-डलाइन किसी खास केस की प्रतिक्रिया में आनन-फानन तैयार नहीं की जा सकती और न ही ऐसा किया जाना चाहिए. यह कार्य न केवल मौजूदा परिस्थिति और इससे जुड़े तमाम पहलुओं का बल्कि आने वाले दौर की चुनौतियों का भी ध्यान रखते हुए करना होगा.सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से यह सवाल भी सामने आया कि क्या अभिव्यक्ति की आजादी को कमर्शल और नॉन कमर्शल जैसी दो श्रेणियों में बांटकर देखा जा सकता है. ध्यान रहे, संविधान की ओर से सभी नागरिकों को अभिव्यक्ति का एक जैसा अधिकार दिया गया है. इसके साथ जुड़ी पाबंदियां भी सबके लिए समान हैं. यहां तक कि मीडिया या मीडियाकर्मियों को भी अलग से कोई अधिकार नहीं दिया गया है. ऐसे में इस पर विचार करना होगा कि क्या किसी की अभिव्यक्ति को इस आधार पर अलग तरह से देखा जाना चाहिए कि वह कमर्शल कंटेंट की श्रेणी में आता है या नहीं. पिछली सुनवाई की रोशनी में देखा जाए तो स्पष्ट हो जाता है कि इस मामले में अनुच्छेद 19 के तहत मिले अभिव्यक्ति के अधिकार और अनुच्छेद 21 के तहत मिले गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार दोनों पर विचार करना है. जाहिर है, यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि शीर्ष अदालत कैसे दोनों के बीच संतुलन साधते हुए आगे बढ़ती है.

बिहार में हिंसा का दौर, जिम्मेदार कौन?

बिहार में पिछले कुछ समय से जघन्य अपराधों के आंकड़ों और निरंतरता में जैसी तेज बढ़ोतरी हुई है, वह बताती है कि राज्य सरकार ने जितने बड़े पैमाने पर कथित सुशासन का प्रचार किया था, वह हकीकत से काफी दूर है. हाल के दिनों में राज्य में हत्या की कई घटनाएं सुर्खियों में रहीं. यह तब है, जब राज्य सरकार हर कुछ दिन बाद यह दावा करती दिखती है कि वहां जंगलराज के बाद उसने सुशासन कायम किया. सवाल है कि पिछले करीब दो दशक से सत्ता में रहने के बावजूद अगर अपराधों की बढ़ती संख्या, उसकी प्रकृति और निरंतरता पर रोक नहीं लग सकी, तो इसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाएगा. हालत यह है कि अब अपराधियों के निशाने पर बच्चे भी आने लगे हैं. इसी महीने की शुरुआत में पटना के जानीपुर इलाके में दो बच्चों को जला कर मार डाला गया था. अब बीते पंद्रह अगस्त को भी पटना के इंद्रपुरी इलाके में दो बच्चे घर से खेलते-कूदते ट्यूशन के लिए निकले और बाद में सड़क किनारे खड़ी कार में दोनों के शव मिले. सवाल है कि यह किस तरह का सुशासन है कि न तो अपराधों पर लगाम लग पा रही है, न ही अपराध हो जाने के बाद पुलिस कुछ कर पा रही है. इंद्रपुरी में दो बच्चों के शव मिलने के बाद पुलिस को जहां सक्रिय होकर जल्द से जल्द मामले को सुलझाने और अपराधियों को पकड़ने की कोशिश करनी चाहिए थी, वहीं वह अब तक किसी निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सकी है. नतीजतन, वहां सोमवार को सरकार और पुलिस के रुख से भड़के लोगों की भीड़ अराजक हो गई और उसने पुलिस के वाहन को भी आग के हवाले कर दिया. निश्चित रूप से लोगों का इस तरह हिंसक हो जाना समस्या के समाधान के रास्ते को बाधित करता है, मगर सवाल है कि आखिर पुलिस और प्रशासन की नींद तभी क्यों खुलती है, जब कोई मामला तूल पकड़ लेता है. अफसोसनाक यह है कि अपराधी बेखौफ होकर अपराधों को अंजाम दे रहे हैं, वहीं राज्य की सरकार और पुलिस मानो लाचार खड़ी है. बिहार में विधानसभा चुनावों में अब ज्यादा वक्त नहीं है. सवाल है कि सरकार क्या अपराधों की ऐसी ही तस्वीर के साथ जनता से समर्थन की उम्मीद कर रही है!

राशिफल

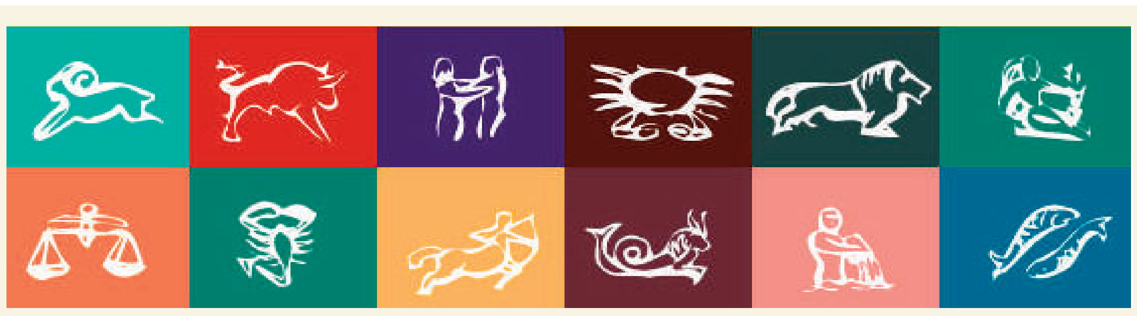

■ **मेष**: आज एनर्जी से भरपूर दिन आपका इंतजार कर रहा है, जो रचनात्मकता से भरपूर है. स्मार्ट तरीके से धन से जुड़े मामले हैन्डल करें. पर्सनल और प्रोफेशनल दोनों तरह के रिश्तों पर प्रकाश डाला गया है, जिसमें कम्युनिकेशन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है.

■ **वृषभ**: आज के दिन खर्च को कंट्रोल करें. स्टूडेंट्स को कोई गुड न्यूज मिल सकती है, हो सकता है आपने टॉप किया हो या आपको आपके फेवरेट कॉलेज में एडमिशन मिल गया हो. आज की एनर्जी आपको विचारों और प्रोजेक्ट्स को उत्साह के साथ आगे बढ़ाने के लिए मोटिवेट करती है.

■ **मिथुन**: आज के दिन पैसों के मामले में आप भाग्यशाली रहेंगे. बाहर का खाना आज खाने से बचें अगर सेहत रिलेटेड प्रॉब्लम है. आज का आपका दिन हैप्पी-हैप्पी रहने वाला है. मैरिड कपल्स अपने पार्टनर के साथ क्वालिटी टाइम स्पेन्ड कर सकते हैं.

■ **कर्क**: आज के दिन लव के मामले में साथी की बात सुनना बेहतर रहेगा. कुछ लोगों के लिए हलचल भरा ये दिन रहने वाला है. आज मुश्किलों पर काबू पाना आपके दिन को उजागर करता है, जो चुनौतियां और अवसर दोनों लेकर आ सकता है.

■ **सिंह**: आज का आपका दिन पॉजिटिव रहने वाला है. परिवर्तन को अपनाएं और अपने इंट्यूशन पर भरोसा करें. दिन पर्सनल ग्रोथ और प्रोफेशनल अवसरों को आमंत्रित करता है. आपका इंट्यूशन ही आपका मार्गदर्शन करेगा.

■ **कन्या**: आज का दिन पर्सनल और प्रोफेशनल क्षेत्रों में काम के साथ इच्छाओं को बैलेंस करने की चुनौती ला सकता है. ग्रहों की स्थिति विकास को बढ़ावा देती है. आज सकारात्मक ऊर्जा आपके चारों ओर है. अवसरों को खुले दिल से अपनाना जरूरी है.

■ **तुला**: आज का आपका दिन प्रोडक्टिव रहने वाला है. परीक्षा से भरा दिन, लेकिन उतने ही लाभदायक परिणाम भी मिलेंगे. अपना विश्वास बनाए रखें और लगातार काम करते रहें. प्रॉफिट को अनलॉक करें. कॉन्फिडेंस के साथ आज ही चुनौतियों से निपटें.

■ **वृश्चिक**: आज के दिन महत्वपूर्ण बदलाव आएगा. परिवर्तन को स्वीकार करें. यह दिन विकास के अवसरों की ओर इशारा कर रहा है. इमोशनल और प्रोफेशनल चुनौतियों से निपटने के लिए अलर्ट रहना आवश्यक है.

■ **धनु**: आज के दिन काम के सिलसिले में भागदौड़ बढ़ सकती है. कुछ लोगों को अपने बॉस की फटकार भी झेलनी पड़ेगी. आज किसी भी तरह की बहस से दूरी बनाएं. जितना पॉजिटिव रहेंगे उतना बेहतर है. आज अपना फेवरेट फूड ट्राई करें.

■ **मकर**: आज के दिन लव के मामले में सितारे आपके साथ हैं. मुश्किलें आती-जाती रहती हैं.पैसों का आगमन तो होगा ही लेकिन आपके खर्च भी बढ़ने वाले हैं. कुछ लोगों के लिए दिन थोड़ा स्ट्रेसफुल साबित हो सकता है.

■ **कुंभ**: आज का दिन रिलेशन में बैलेंस खोजने पर फोकस करता है. गलतफहमी के चलते अन-बन हो सकती है. अपने विचारों और इरादों को क्लियर करें. आपके लिए सेल्फ-लव पर फोकस करने वाला दिन है. काम का बहुत ज्यादा प्रेशर न लें.

■ **मीन**: आज का दिन आपके लिए क्रिएटिव रहेगा. आज नई चुनौतियों को खुली बांहों के साथ स्वीकार करें. पर्सनल और प्रोफेशनल ग्रोथ को बढ़ावा देने वाला क्रिएटिव दिन आपका इंतजार कर रहा है. नए अवसर खुद ही आपके सामने आएंगे. मजबूत पेशेवर मोर्चे वाले कुंभ राशि के जातक अच्छे परिणाम की उम्मीद कर सकते हैं. वे कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के साथ अपने करियर में बड़ी प्रगति कर सकते हैं. मूल्यांकन, पदोन्नति और स्थानांतरण के अवसर हैं. जो लोग नौकरी की तलाश में हैं उन्हें अच्छी संभावनाएं मिल सकती हैं.

फिल्म वर्ग पहेली- 432

1		2		■	3	■	4	5
	■		■	6			■	
7	8		■	■		■	9	
■		■	10	11	■	12		■
13		14	■	15		■	16	17
	■	18	19		■	20	■	
21		■		■	22		23	
■	■	24	■	25		■		■
26				■	■	27		

बायें से दायें:-

1. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की 'होली खेले' गीत वाली फिल्म-4
4. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली अमिताभ, जैकी श्रॉफ, मधु सप्रे, कैटरीना कैफ, जीनत, सीमा की फिल्म-2
6. सुनील शेट्टी, सोनाली बेंद्रे की 'तुम से मिलने को' गीत वाली फिल्म-3
7. 'चढ़ गया ऊपर रे' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-3
9. अमजद, विनोद मेहरा, बिंदिया की 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-2
10. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-2
12. बलराज साहनी, नूतन की 'तु प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-2
13. 'मेरी पैंट भी सैक्सी' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-3
15. अजय देवगन, पुजा, सोनाली की 'तुम आये तो' गीत वालीफिल्म-2
16. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-2
18. अजय, अभिषेक, बिपाशा की 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-3
21. अमिताभ वाली फिल्म 'याराना' की नायिका कौन थी-2
22. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी की फिल्म-4
25. धर्मेन्द्र, हेमा की 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली फिल्म-2
26. 'अल्हड़ मस्त जवानी' गीत वाली अजय देवगन, ग्रेसी सिंह की फिल्म-4
27. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'जब दिल चुराये' गीत वाली फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1. अक्षय, रवीना की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-3
2. 'आँखों के रस्ते' गीत वाली बॉबी देओल रानी मुखर्जी की फिल्म-3
3. गोविंदा, करिश्मा की 'तुमसा कोई प्यारा' गीत वाली फिल्म-3
5. 'चुपके से दिल' गीत वाली राजकुमार, राजेश खन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-3
8. अनिल कपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'लड़की है क्या' गीत वाली फिल्म-3
9. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली अमोल पालेकर, रंजीता की फिल्म-3
11. संजय, सलमान, माधुरी की 'जियें तो जियें' गीत वाली फिल्म-3
13. 'बन्नो तेरी आँखियाँ' गीत वाली सनी, जैकी, मनीषा की फिल्म-3
14. डिनो, बिपाशा की 'कितना प्यारा है' गीत वाली फिल्म-2
17. 'रहें ना रहें हम' गीत वाली धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की फिल्म-3
19. 'मैं चुप रहूँगी' में सुनीलदत्त के साथ नायिका कौन थी ?-2
20. फिल्म 'करीब' में बॉबी देओल के साथ नायिका कौन थी ?-2
22. आफताब, उर्मिला की 'सुना था देखा ना था' गीत वाली फिल्म-2
23. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली ऋषि कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-3
24. जाकिर, शबाना, अरूणा की 'बादल चाँदी बरसाये' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 431 का हल

मु	सा	फि	र	■	ड	कै	त	■	गा
क्ति	■	दा	न	वी	र	■	क्ष	त्रि	य
■	री	■	■	र	■	श	क	■	ब
गु	ना	ह	■	ता	ल	■	■	क	■
म	■	वा	दा	■	ग	र्व	■	सू	र्या
ना	ना	■	मि	ल	न	■	सु	र	■
म	■	सु	नी	ल	■	रा	जा	■	ए
■	ने	हा	■	का	श	■	ता	क	त
क्रो	■	ग	द	र	■	दे	■	■	रा
ध	र्मा	■	म	■	रा	व	ण	रा	ज

■ मंगल सैणचा, बेंगलोर

अंकजाल - 432

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

■	14	21	21	■	32	21	12	19	■
12		7		■		5		9	22
14	2		5	■	8		5		23
16		2		■		9		7	26
21	2		7		5	■	■	■	■
■	■	■	■	7		9		3	29
26	8		6		■		6		13
18		2		6	■	3		7	14
29	8		5		■		6		18
■	21	15	16	30	■	19	18	22	■

अंकजाल 431 का हल

■	25	19	23	■	31	19	16	11	■
14	7	2	5	■	7	8	5	4	24
18	9	2	7	■	5	8	7	5	25
13	3	8	2	■	7	3	4	2	16
32	6	7	9	3	7	■	■	■	■
■	■	■	■	2	5	9	2	3	21
26	8	5	6	7	■	3	6	4	13
18	5	2	5	6	■	3	4	7	14
29	8	8	5	8	■	6	4	4	14
■	21	15	16	26	■	21	16	18	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 432

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'हट' शब्द लगा हो. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

छटपटाहट, जगमगाहट, चिकनाहट, झिलझिलाहट, चहचहाहट, चरमराहट, चिड़चिड़ाहट, तड़पाहट, बौखलाहट, बुलाहट

श	रा	ज	ग	म	गा	ह	ट	झ	क	चि
छ	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	क
ट	र	ह	झि	दा	चि	सिं	बे	ला	ल	ना
प	म	दा	च	ल	क	ड़	हा	दा	र	ह
ट्र	रा	र	ष	हा	मि	री	चि	स	र	ट
ह	ह	प	व	दा	ह	ला	ती	ड़	न	ती
ट	ट	बु	अं	र	म	ट	ह	ला	ह	क
बा	जी	वा	ला	क	छ	सौ	न	ट	जू	ट
स	थो	तें	व	ह	ज	दा	ने	दा	र	द
र	ल	प	ति	रं	ट	ऐ	बें	न	रु	थो
त	ड़	पा	ह	ट	ख	बौ	ख	ला	ह	ट

शब्दजाल - 431 का हल

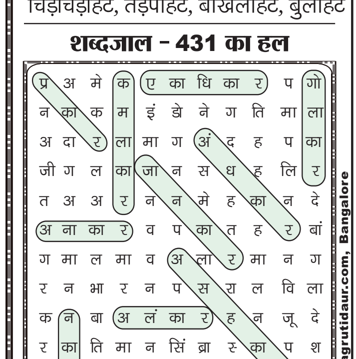

Jagrutidaur.com, Bangalore

मोनोरेल का रोमांचक सफ़र

मोनोरेल परियोजना यात्रियों के लिए सुरक्षा से ज़्यादा ख़तरा बनती जा रही है. 2,460 करोड़ रुपये की लागत से बनी मोनोरेल शुरू से ही यात्रियों को पसंद न आने के कारण 'सफेद हाथी' बनकर रह गई है. अत्यधिक भीड़भाड़ के कारण, अक्सर तकनीकी खराबी आ जाती है और यात्री फँस जाते हैं.

आर्थिक राजधानी मुंबई को अंतरराष्ट्रीय शहर बनाने की बातें अक्सर होती रहती हैं. लेकिन यह चुनावी फ़ायदे का सौदा साबित होता है. चूँकि मुंबई में एक अच्छा घर खरीदना आम नागरिक की पहुँच से बाहर है, इसलिए इसे हमेशा मुंबई से बाहर ही रखा गया है. ठाणे, कल्याण, डोंबिवली, मीरा-भायंदर, वसई-विरार और नवी मुंबई नगरपालिकाएँ और अंबरनाथ, कुलगाँव, बदलापुर, पनवेल और उरण नगरपालिका परिषदें भी तेज़ी से बढ़ रही हैं. लोग दो कारणों से इस क्षेत्र की ओर पलायन कर रहे हैं - किफायती आवास और मुंबई से रेल संपर्क. इसके कारण, मुंबई महानगरीय क्षेत्र राज्य की कुल शहरी आबादी का लगभग 45 प्रतिशत हो गया है. इन नागरिकों को काम के सिलसिले में मुंबई आने-जाने के लिए लोकल ट्रेन से जोखिम भरा सफ़र करना पड़ता है. मुंबई महानगर क्षेत्र में बुनियादी ढाँचे के निर्माण की ज़िम्मेदारी एमएमआरडीए को सौंपी गई है. एमएमआरडी ने इस क्षेत्र में विभिन्न सड़क, फ्लाईओवर, स्काईवॉक, जल योजनाएँ आदि परियोजनाएँ क्रियान्वित की हैं. उपनगरीय यातायात पर दबाव कम करने के लिए मेट्रो और मोनो रेल परियोजनाएँ शुरू की गई हैं. इनमें से वर्सोवा-अंधेरी-घाटकोर मेट्रो 1, अंधेरी पूर्व से दहिसर पूर्व (मेट्रो 7), डी. एन. नगर से दहिसर पूर्व (मेट्रो 2ए), मोनो रेल और मेट्रो 3 यात्री सेवा में हैं, जबकि मार्ग के कुछ हिस्से इस वर्ष यात्री सेवा में आ जाएँगे, जिससे मुंबईवासियों को राहत मिलेगी.

मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने सितंबर 2008 में मास रैपिड ट्रांजिट सिस्टम की फीडर सेवा के रूप में मोनो रेल शुरू करने का निर्णय लिया था. 20 किलोमीटर लंबा चेंबूर-वडाला-संत गाडगे महाराज चौक कॉरिडोर भारत की पहली मोनो रेल परियोजना है. इस परियोजना की लागत 2,460 करोड़ रुपये है. मोनोरेल पहली बार 2014 में वडाला-चेंबूर रूट पर चली थी. फिर मार्च 2019 में संत गाडगे महाराज चौक और वडाला के बीच मोनोरेल का दूसरा चरण चालू किया गया.

जनसंवाद नेटवर्कस् प्रा. लि. हेतु राष्ट्रबाण (प्रेस) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक विष्णुगुप्त श्रीनिवास वैद्य द्वारा यह मुद्रित कर 101/5 गणेश स्नेहल अपार्टमेंट नागपुर-22 से प्रकाशित. प्रधान संपादक - *विष्णुगुप्त श्रीनिवास वैद्य, *पी. आर. बी. कानून के तहत संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार ■ इस पत्र में प्रकाशित विज्ञापन, लेख व समाचारों में व्यक्त विचार व्यक्तिगत है. उनसे हमारा सहमत-असहमत होना जरुरी नहीं. RNI Reg. No. HIN/72804 ■ फोन नं. 0712-7966355, rashtrabaanngp@gmail.com

बिहार में प्रियंका का 'ट्रिपल-M फॉर्मूला'

क्या महागठबंधन की चुनाव एक्सप्रेस को दे पाएगा रफ्तार?

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. बिहार की सियासी जमीन पर पहली बार प्रियंका गांधी उतरी हैं. राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की 'वोटर अधिकार यात्रा' में प्रियंका गांधी का दूसरा दिन है. सुपौल में शिरकत कर मधुबनी होते हुए मंगलवार को दरभंगा पहुंचीं और बुधवार को मुजफ्फरपुर के ज़रिए सीतामढ़ी पहुंचेंगी. इस तरह उनकी 2 दिन की यात्रा पूरी तरह मिथिलांचल बेल्ट में है, जिसके जरिए वे महागठबंधन के पक्ष में सियासी माहौल बनाने की कवायद करती नजर आ रही हैं.

प्रियंका गांधी की यात्रा का रूट पूरी तरह मिथिलांचल के इलाके में है, जहां वे महिला वोटों को साधने की कवायद कर रही हैं. इसके अलावा, प्रियंका बुधवार को सीतामढ़ी स्थित मां जानकी मंदिर में माथा टेककर बीजेपी के 'हिंदुत्व कार्ड' को काउंटर करने का दांव चलेंगी. राहुल-तेजस्वी के साथ कदमताल करके

मिथिलांचल को साध पाएंगी प्रियंका गांधी?

बिहार का मिथिलांचल इलाका बीजेपी का मजबूत गढ़ माना जाता है. बीजेपी और जेडीयू की सियासी केमिस्ट्री मिथिलांचल इलाके में सुपर हिट रही है. इस तरह एनडीए के मजबूत गढ़ में प्रियंका गांधी की यात्रा का खाका महागठबंधन ने खींचा है. प्रियंका ने अपने दो दिन के बिहार दौरे पर मिथिलांचल जिले की यात्रा की. वह सुपौल, मधुबनी, दरभंगा के ज़रिए मुजफ्फरपुर के रास्ते सीतामढ़ी जाएंगी. मिथिलांचल के सात जिलों में से प्रियंका गांधी वोटर अधिकार यात्रा के ज़रिए पांच जिलों में दस्तक देंगी. इस तरह से साफ है कि कांग्रेस ने प्रियंका की यात्रा का रोडमैप बहुत ही सोची-समझी रणनीति के तहत मिथिलांचल इलाके से बनाया है ताकि एनडीए के मजबूत गढ़ में सेंधमारी की जा सके. पिछली बार नीतीश कुमार को चुनाव हारने से मिथिलांचल ने बचाया था. मिथिलांचल की 60 सीटों में से 40 सीटें एनडीए जीती थी. प्रियंका गांधी की जिन जिलों में यात्रा रखी गई है, वे पूरी तरह बीजेपी-जेडीयू के दुर्ग माने जाते हैं.

माता सीता के मंदिर में टेकेंगी माथा

प्रियंका गांधी वोटर अधिकार यात्रा के दौरान बुधवार को सीतामढ़ी में रात्रि विश्राम करेंगी. प्रियंका गांधी अपने मिथिलांचल के दौरे में सीतामढ़ी स्थित मां जानकी मंदिर में जाकर पूजा-अर्चना करने की योजना बना रही हैं. मिथिलांचल ही नहीं, बल्कि बिहार में माता सीता के प्रति काफी आस्था है. बीजेपी पहले ही सीता मंदिर बनवाकर सियासी क्रेडिट लेना चाहती है. ऐसे में प्रियंका गांधी बहुत ही रणनीति के तहत मंदिर में माथा टेककर बीजेपी के 'हिंदुत्व कार्ड' की सियासी हवा निकालने का दांव चलना चाहती हैं.

प्रियंका महिला वोटों को साधने में जुटी

प्रियंका गांधी को बिहार के सियासी रण में कांग्रेस ने उतारकर महिला वोटों को साधने की रणनीति अपनाई है. बिहार में महिला एनडीए का सबसे बड़ा वोट बैंक है. नीतीश कुमार के बार-बार सत्ता में वापसी का सबसे बड़ा कारण महिला वोटर ही हैं. हर जाति और धर्म की महिलाएं नीतीश के प्रति भरोसा जताती हैं. एनडीए के इस मजबूत वोट बैंक को तोड़ने के लिए प्रियंका गांधी को उतारा गया है. प्रियंका गांधी महिला वोटों से ज्यादा बेहतर कनेक्ट करती हैं. उनकी संवाद कला बेहतरीन है. महिलाओं को भी साधने में भी प्रियंका की भूमिका अहम हो सकती है.

'वोटर लिस्ट से नाम हटाना आतंकवाद से भी से भी बुरा है'

बिहार में स्टालिन की तमिल स्पीच
हिंदी में समझाता रहा ट्रांसलेटर

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन आज चुनावी रैली के सिलसिले में बिहार के मुजफ्फरपुर पहुंचे. राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के साथ मंच साझा करते हुए स्टालिन ने तमिल भाषा में मुजफ्फरवासियों को संबोधित किया. इसका अनुवाद एक व्यक्ति हिन्दी भाषा में कर रहा था. लोगों की जयकार और सियासी बयानबाजी के बीच स्टालिन ने मुजफ्फरपुर में समां बांध दिया. राहुल गांधी-तेजस्वी यादव के वोट चोरी के आरोपों का समर्थन करते हुए तमिलनाडु के सीएम ने कहा कि मतदाताओं का नाम वोटर लिस्ट से मिटाना आतंकवाद से भी बुरा है. स्टालिन ने कहा कि बिहार का जिक्र होते ही हमें आदरणीय लालू प्रसाद यादव का नाम याद आता है. हमारे नेता करुणानिधि और लालू जी घनिष्ठ मित्र रहे.

'मतदाता अधिकार यात्रा' में शामिल हुए.

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के विरोध में निकाली गई यात्रा का विरोध करते हुए स्टालिन ने कहा कि पिछले एक महीने से पूरा देश बिहार पर नज़र गड़ाए हुए है. चुनाव आयोग रिमोट कंट्रोल वाली कठपुतली बन गया है. तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने पूछा, ₹क्या 65 लाख लोगों के नाम (ड्राफ्ट मतदाता सूची से) हटाना आतंकवाद से भी बदतर नहीं है?₹ स्टालिन ने कहा कि जब राहुल गांधी ने अतीत में हुए चुनावों की निष्पक्षता पर संदेह जताया था तो मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने उन्हें हलफनामा पेश करने की चुनौती दी थी.

ट्रंप की हुई बेइज्जती

लाइव डिस्कशन में अमेरिकी एक्सपर्ट ने US राष्ट्रपति को कहा- Ch***ya!

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 6 महीने के कार्यकाल पर चर्चा करते हुए एक पॉलिटिकल साइंटिस्ट ने उनके खिलाफ आपत्तिजनक शब्द का इस्तेमाल कर दिया. अमेरिकी राजनीतिक विज्ञानी कैरोल क्रिश्टिन फेयर पाकिस्तानी मूल के ब्रिटिश पत्रकार मोइद पीरजादा के साथ एक चर्चा में शिरकत कर रही थीं. इस दौरान उन्हें ट्रंप को Ch***ya कहकर संबोधित किया.

कैरोल क्रिश्टिन फेयर एक अमेरिकी राजनीतिक वैज्ञानिक और जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय के वॉल्श स्कूल ऑफ फॉरेन सर्विस में एसोसिएट प्रोफेसर हैं. वह दक्षिण एशियाई राजनीतिक और सैन्य मामलों में विशेषज्ञता रखती हैं. कैरोल क्रिश्चयन फेयर अमेरिकन कूटनीति को समझने वाली विशेषज्ञ मानी जाती हैं. उनका विकीपीडिया पर अपना पेज बना हुआ है. कैरोल क्रिश्टिन फेयर अमेरिका विदेश नीति पर मोइद पीरजादा के चर्चा कर रही थीं. इस दौरान उनसे पूछा गया कि क्या वे यह समझती हैं कि अमेरिका भारत को चीन का काउंटरबैलेंस समझने के अपने नजरिये से आगे बढ़ चुका है. इसके जवाब में उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसा नहीं लगता है. ट्रंप प्रशासन के कई अधिकारी अपने फील्ड में एक्सपर्ट नहीं हैं.

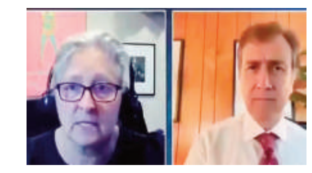

क्रिश्टिन फेयर का ये कमेंट सुनकर मोइद पीरजादा हंसने लगे. मोइद पीरजादा ने कहा कि मैं इस लफ्ज का उर्दू में बार बार बोलता हूं और मेरे कई दर्शक आपत्तियां जताते हैं, और आपने अंग्रेजी की एक परिचर्चा में इस शब्द का इस्तेमाल कर दिया. इस पर कैरोल क्रिश्टिन फेयर ने आगे कहा कि वो सचमुच Ch***ya हैं. मोइद पीरजादा ने कहा कि इस शब्द की इतनी खास अहमियत है कि कुछ स्थितियों को आप इस लफ्ज का इस्तेमाल किए बिना बता ही नहीं सकते. कैरोल क्रिश्टिन फेयर के विकीपीडिया पेज के अनुसार फेयर ने रैंड कॉरपोरेशन में वरिष्ठ राजनीतिक विज्ञानी, अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन में राजनीतिक अधिकारी और यूनाइटेड स्टेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ़ पीस में वरिष्ठ शोध सहयोगी के रूप में कार्य किया है. वह दक्षिण एशिया में राजनीतिक और सैन्य मामलों की विशेषज्ञ भी हैं. डिस्कशन का ये क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है. इस क्लिप को एक्स पर कई लोगों ने शेयर किया है.

फास्ट ट्रैक

अफगानिस्तान में दर्दनाक सड़क हादसा

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. काबुल अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में बुधवार तड़के एक यात्री बस पलट जाने से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई. तालिबान के एक अधिकारी ने इस हादसे का बारे में जानकारी दी है. यह घटना सुबह काबुल के अरघंडी इलाके में हुई. बस दक्षिणी अफगानिस्तान से हेलमंद और कंधार के यात्रियों को लेकर आ रही थी. गृह मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल मतीन कानी ने बताया कि यह दुर्घटना लापरवाही से वाहन चलाने के कारण हुई, जिसमें 27 लोग घायल भी हुए हैं. इससे एक सप्ताह से भी कम समय पहले पश्चिमी हेरात प्रांत में करीब 80 लोगों की मौत हो गई थी.

अफगानिस्तान में इस वजह से होते हैं हादसे

अफगानिस्तान में सड़क दुर्घटनाएं आम बात हैं. हादसों के कई कारण हैं जिनमें दशकों के संघर्ष के बाद खराब सड़कें, राजमार्गों पर खतरनाक ड्राइविंग और नियमों की अनदेखी शामिल है. अफगानिस्तान में अधिकांश बसें पुरानी और तकनीकी रूप से असुरक्षित हैं और यह भी हादसे की बड़ी वजह है. मई 2016 में अफगानिस्तान के दक्षिणी प्रांत जाबुल में कंधार-काबुल हाइवे पर 2 यात्री बसें और एक ट्रक आपस में टकरा गए थे. यह टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि हादसे के तुरंत बाद वाहनों में आग लग गई थी.

मेरे साथ 5 लोग थे, मैं उन्हें ढूंढ नहीं पा रहा

अर्धकुंवारी में पत्थर गिर रहे, वैष्णो देवी में फंसे श्रद्धालुओं की आपबीती

राष्ट्रबाण

श्रीनगर. जम्मू में लगातार हो रही बारिश से हालात बिगड़ते जा रहे हैं. बुधवार को अर्धकुंवारी में भारी बारिश और भूस्खलन 33 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए हैं. हादसे के बाद कई जगहों पर मलबा जमा हो गया है, जिससे कई सड़कें बंद हो गई हैं और वैष्णो देवी आने-जाने वाले यात्री फंस गए हैं. लोग अपनों की तलाश में यहां-वहां भटक रहे हैं, लेकिन लापता लोगों को कोई सुराग नहीं मिल रहा है.

'स्थिति पर है प्रशासन की नजर'

समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार रामबन के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अरुण गुप्ता ने बताया, 'स्थिति गंभीर है. पूरा प्रशासन हाई अलर्ट पर है. हमें कई जगहों से लोगों को निकालना पड़ा, क्योंकि नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं. हम स्थिति पर नजर रख रहे हैं... हमने पुलिस स्टेशन और चौकी स्तर पर बचाव दल का गठन किया है... हमारी टीमें सभी उपकरणों के साथ तैयार हैं...'

PM ने जताया दुख

PM मोदी ने जम्मू भूस्खलन की घटना पर दुख जताया है. उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट साझा कर लिखा, 'श्री माता वैष्णो देवी मंदिर मार्ग पर हुए भूस्खलन के कारण हुई जनहानि दुखद है. मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं. घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं. प्रशासन सभी प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है.'

'हम डरे हुए हैं...'

कटरा दर्शन करने आईं श्रद्धालु राजकुमार देवी ने समाचार एजेंसी को बताया, 'मैं बिहार के मोतिहारी से हूं, हम परसों यहां आए थे. हमने दर्शन कर लिए हैं. अब हम घर जाना चाहते हैं, लेकिन ट्रेनें रद्द होने के कारण हम नहीं जा पा रहे हैं. बहुत बड़ी दुर्घटना हो गई है, जिससे हम डरे हुए हैं और घर जाना चाहते हैं...'

'ट्रंप राजनीतिक गुंडागर्दी करते हैं'

बाबा रामदेव ने समझाया टैरिफ से मुकाबले का देसी मंत्र

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. स्वामी रामदेव ने अमेरिकी टैरिफ पर तीखी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने अमेरिकी टैरिफ से मुकाबले का देसी मंत्र समझाया है. उन्होंने बातचीत करते हुए कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप राजनीतिक रूप से गुंडागर्दी कर रहे हैं. उन्हें ये पता होना चाहिए कि हम सब मिलकर ट्रंप की सबक सीखा सकते हैं. जब बाबा रामदेव से पूछा कि क्या टैरिफ का बिल्कुल असर नहीं होगा? इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'देखिए, अब भारत को खुलकर सामने आना होगा. हम अन्य देशों को साथ मिलकर अमेरिका का सबक सीखा देंगे, PM मोदी जी ने इस की तैयार कर ली है. उन्होंने कहा कि एक वक्त था जब चीन की स्थिति बहुत खराब थी, लेकिन चीन ने लगातार काम से अपनी स्थिति बदल दी और पूरी दुनिया के बाजार पर अपना कब्जा कर लिया.'

'विकासशील देशों को धमकाने है तरीका'

एक सवाल के जवाब में बाबा रामदेव ने कहा कि देखिए, ट्रंप की ये नीति एक तरह से 'टैरिफ टेररिज्म' है. ये विकासशील देशों को धमकाने का एक तरीका है, लेकिन भारत को इससे डरने की जरूरत नहीं है.

चुनौती में होते हैं अवसर: बाबा रामदेव

स्वदेशी के साथ धार्मिक चीजें जुड़ जाती है? उन्होंने कहा कि यहां किसी का विरोध नहीं है. यहां स्वदेशी नीति का मतलब है कि हमें अपने उत्पादों पर भरोसा करना चाहिए. हमें अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करना चाहिए. गांधी जी ने भी स्वदेशी को बढ़ावा दिया था. हमें 'मेक इन इंडिया' को और मजबूत करना चाहिए. हमें अपनी अर्थनीति को दुरुस्त करना चाहिए. ट्रंप की नीतियां हमें और मजबूत करेंगी, क्योंकि इससे हमें अपनी ताकत को पहचानने का मौका मिलेगा. हर चुनौती में एक अवसर होता है. हमें इस अवसर को भुनाना चाहिए. हमें अपनी अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाना चाहिए. उन्होंने ये भी कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति पता नहीं क्या-क्या बोल रहे हैं कि हमारे प्रधानमंत्री उनके बयानों पर कोई भी प्रतिक्रिया नहीं दे रहे हैं जो उनके बड़प्पन को दिखाता है.

पश्चिम की ओर खिसक गया मॉनसून

क्लाइमेट थिंक टैंक ने बताया कैसे 40 सालों में बदल गया देश का मौसम

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. भारत में जलवायु परिवर्तन के कारण मॉनसून के पैटर्न तेजी से बदल रहे हैं. काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) के अध्ययन के अनुसार पिछले दशक (2012-2022) में देश के 55% तहसीलों या उप-जिलों में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की वर्षा में 10% से अधिक की महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है. यह अध्ययन 'डिकोडिंग इंडियाज चेंजिंग मॉनसून पैटर्न्स' नाम से जारी किया गया, जो भारत के 4500 से अधिक तहसीलों में 40 वर्षों (1982-2022) की वर्षा का पहला तहसील-स्तरीय ग्रैनुलर विश्लेषण है. अध्ययन में पाया गया कि पारंपरिक रूप से शुष्क क्षेत्रों जैसे राजस्थान, गुजरात, मध्य महाराष्ट्र और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में वर्षा में बढ़ोतरी हुई है.

कृषि और अर्थव्यवस्था पर असर: 11% तहसीलों में कमी चिंता का विषय

मॉनसून भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं. कृषि क्षेत्र की रीढ़ माने जाते हैं, जो देश की आधी आबादी को रोजगार देते हैं. लेकिन अध्ययन में पाया गया कि पिछले दशक में केवल 11% तहसीलों में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की वर्षा में कमी आई, लेकिन ये तहसील वर्षा-निर्भर गंगा के मैदान, पूर्वोत्तर भारत और ऊपरी हिमालयी क्षेत्र में स्थित हैं. ये क्षेत्र भारत के कृषि उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण हैं. इनमें नाजुक पारिस्थितिक तंत्र हैं, जो चरम जलवायु घटनाओं के प्रति संवेदनशील हैं. दक्षिण-पश्चिम मॉनसून में कमी वाली कुल तहसीलों में से 87% (बिहार, उत्तराखंड, असम और मेघालय जैसे राज्यों में स्थित) ने जून और जुलाई में वर्षा में कमी देखी, जो खरीफ फसलों की बुवाई के लिए महत्वपूर्ण महीने हैं. भारत की 48% तहसीलों में अक्टूबर में 10% से अधिक वर्षा बढ़ी, जो दक्षिण-पश्चिम मानसून के देरी से हटने के कारण हो सकता है. इससे रबी फसलों की बुवाई पर सीधा असर पड़ता है.

चुनाव से पहले पुराने रंग में लौटा बिहार

नालंदा में मंत्री को दौड़ाया, पटना में पुलिसवालों को पीटा

राष्ट्रबाण

पटना. चुनाव से पहले बिहार अपने पुराने रंग में दिखने लगा है. आज सुबह नालंदा के हिलसा में मंत्री श्रवण कुमार सड़क दुर्घटना में मारे गए नौ लोगों के परिजनों से मिलने पहुंचे थे. लेकिन वहां उन्हें स्थानीय लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ा. लोगों ने मंत्री को खदेड़ दिया और श्रवण कुमार किसी तरह जान बचाकर भागे. दूसरी तरफ पटना के गर्दनीबाग में एक स्कूल छात्रा की ओर से आत्मदाह के प्रयास की जांच करने पहुंचे एसएचओ की लोगों ने पिटाई कर दी. लोगों ने कर दी एसएचओ की पिटाई पटना के गर्दनीबाग में एक छात्रा ने स्कूल में खुद को आग लगाने का प्रयास किया था.

लोगों ने कर दी एसएचओ की पिटाई

पटना के गर्दनीबाग में एक छात्रा ने स्कूल में खुद को आग लगाने का प्रयास किया था. नाबालिग छात्रा अमला टोला बालिका विद्यालय में पढ़ती थी. बालिका को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था. घटना के बाद लोगों ने गर्दनीबाग बालिका विद्यालय में हंगामा किया. छात्रा को इलाज के लिए पीएमसीएच में भर्ती कराया गया है. पुलिस मामले की जांच के लिए स्कूल पहुंची थी. स्कूल के बाहर लगी भीड़ ने बिल्डिंग के मुख्य द्वार पर ताला बंद कर दिया और पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया. लोगों ने एसएचओ की पिटाई कर दी.

7000 घर तबाह, 800 मौतें, भारत ने भी छोड़ा पानी

पाकिस्तान पर पड़ रही दोहरी मार

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली, भारी बारिश से आई फ्लैश फ्लड्स ने पाकिस्तान की आर्थिक और राजनीतिक चुनौतियों को और गहरा कर दिया है. आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, अब तक 800 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों घर और पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर तबाह हो चुके हैं. पाकिस्तान के चारों बड़े प्रांत - खैबर पख्तूनख्वा, पंजाब, सिंध और बलूचिस्तान - बाढ़ की चपेट में हैं. इनमें सबसे ज्यादा असर पख्तूनख्वा पर पड़ा, हालांकि हाल के दिनों में वहां स्थिति थोड़ी बेहतर हुई है. अब प्रकृति का प्रकोप पंजाब की ओर मुड़ा है, जिसे पाकिस्तान का सबसे अहम इलाका माना जाता है. पंजाब में सेना की यूनिट्स को छह जिलों में राहत और बचाव कार्यों के लिए लगाया गया है. हजारों लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है.

पाकिस्तान में तबाही का पैमाना

नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के अनुसार, 26 जून से शुरू हुई बाढ़ में अब तक 7200 से ज्यादा घर पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो चुके हैं. 650 किलोमीटर से ज्यादा सड़कों को नुकसान पहुंचा है. 5500 से ज्यादा मवेशियों की मौत हो चुकी है, जो ग्रामीण आजीविका पर बड़ा असर डाल रही है. बाढ़ की वजह से ये 4 जिले सबसे ज्यादा प्रभावित हैं. अब तक 1000 से ज्यादा लोग घायल हो चुके हैं. मरने वालों में 203 बच्चे शामिल हैं. अकेले खैबर में 480 मौतें और 340 घायल दर्ज किए गए हैं. पंजाब में 165 मौतें और 584 घायल हुए हैं. पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर में भी 23 लोगों की जान गई है.

भारत से पानी छोड़े जाने का असर

पख्तूनख्वा में बाढ़ का मुख्य कारण भारी बारिश रहा, जबकि पंजाब में स्थिति बारिश और भारत की तरफ से छोड़ा गया पानी भी शामिल है. पाकिस्तान के अधिकारियों ने मंगलवार को घोषणा की कि भारत ने रावी पर बने थीन डैम और सतलुज पर बने भाखड़ा डैम के सभी गेट खोल दिए हैं. पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हाल के दिनों में भारत ने पाकिस्तान को दो बार फ्लड अलर्ट भेजा था. यह जानकारी हाई कमीशन के रास्ते दी गई क्योंकि आतंकवादी हमले के बाद से सिंधु जल संधि के तहत हाइड्रोलॉजिकल डेटा साझा करना फिलहाल बंद है.

बांग्लादेश में जेल से भाग गए 2700 कैदी

700 अब तक लापता

राष्ट्रबाण

ढाका. भारत के पड़ोसी देश से 2700 से ज्यादा कैदी जेल से फरार हो गए. इनमें से करीब 700 कैदी कई महीने गुजर जाने के बाद अब तक वापस नहीं आए हैं. इससे जेल प्रशासन की नींद उड़ी हुई है. भागने वाले कैदियों में खूंखार आतंकवादी और शातिर अपराधी भी शामिल हैं. यह घटना बांग्लादेश की है.

कैसे भागे कैदी

बांग्लादेश की जेल प्रणाली को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा सामने आया है. देश के शीर्ष जेल अधिकारी ने बताया है कि जुलाई 2024 में तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ शुरू हुए व्यापक विरोध और हिंसा के दौरान करीब 2,700 कैदी विभिन्न जेलों से फरार हो गए थे.

भागने वालों में कई खूंखार आतंकी शामिल

हुसैन ने बताया कि फरार कैदियों में से कई बेहद खतरनाक माने जा रहे हैं. इनमें ऐसे अपराधी भी शामिल हैं, जिन्हें अदालत द्वारा मौत की सजा दी गई थी. इसके अलावा कई इस्लामी आतंकवादी भी इन फरार कैदियों में शामिल हैं. उन्होंने कहा, ₹इन 700 से अधिक फरार कैदियों में कम से कम नौ इस्लामी आतंकवादी हैं. साथ ही 69 ऐसे अपराधी हैं, जिन्हें या तो फांसी की सजा सुनाई गई थी या आजीवन कारावास की सजा दी गई थी.

भागे कैदियों की तलाश जारी

यह मामला तब सामने आया था जब पिछले वर्ष जुलाई में देशभर में भड़के विरोध प्रदर्शनों और राजनीतिक अस्थिरता के बीच कई जेलों में सुरक्षा व्यवस्था चरमरा गई थी. इस अव्यवस्था का लाभ उठाकर हजारों कैदी जेल से भाग निकले थे. यह स्थिति बांग्लादेश की आंतरिक सुरक्षा और जेल व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है. करीब 7 महीने पहले गृह मंत्रालय के सलाहकार, लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) जहांगीर आलम चौधरी ने भी इसी आंकड़े की पुष्टि करते हुए कहा था कि सैकड़ों कैदी अब भी जेल के बाहर हैं और उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं. हालांकि जेल विभाग का दावा है कि भागे हुए कैदियों में से कई ऐसे थे जिनकी सजाएं लगभग पूरी हो चुकी थीं और वे स्वेच्छा से वापस लौट आए, क्योंकि वे भागने के अपराध के चलते अपनी सजा और नहीं बढ़ाना

नांदेड़- मुंबई वंदे भारत ट्रेन में 8 की जगह 20 बोगी

राष्ट्रबाण

मुंबई . मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को नांदेड़ से मुंबई के बीच वंदे भारत ट्रेन सेवा की हरी झंडी दिखाई. नांदेड़-मुंबई वंदे भारत एक्सप्रेस को उन्होंने मराठवाड़ा क्षेत्र की समृद्धि का प्रवेश द्वार करार दिया. फडणवीस ने सिख समुदाय के लिए एक प्रमुख तीर्थस्थल के रूप में नांदेड़ के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि नई सेवा श्रद्धालुओं और अन्य यात्रियों को तीव्र, आरामदायक और सुरक्षित यात्रा की सुविधा देगी.रेलवे अधिकारियों के मुताबिक यह ट्रेन अन्य रेलगाड़ियों के मुकाबले मुंबई से नांदेड़ की दूरी तय करने में करीब दो घंटे कम समय लेगी. वंदे भारत ट्रेन की उद्घाटन सेवा की शुरुआत के मौके पर इसे फूलों से सजाया गया था. ट्रेन हुजूर साहिब नांदेड़ स्टेशन से पूर्वाह्न 11:20 बजे ट्रेन रवाना हुई और रात 9:55 बजे मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज ट्र्मिनल पहुंची.गोदावरी नदी के किनारे बसे नांदेड़ में गुरुद्वारा हुजूर साहिब है जो सिखों का प्रमुख तीर्थस्थल है. यह ट्रेन सेवा अन्य प्रमुख तीर्थ स्थलों को घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग, शिरडी साईं बाबा मंदिर और अजंता-एलोरा गुफाएं को भी जोड़ती है.मध्य रेलवे ने कहा कि यह ट्रेन सेवा मराठवाड़ा के यात्रियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करती है और इससे व्यावसायिक यात्रा, शिक्षा संबंधी संपर्क और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है. फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार मराठवाड़ा के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए प्राथमिकता के आधार पर आधुनिक संपर्क को सुदृढ़ करने का प्रयास कर रही है.रेलवे की विज्ञप्ति के मुताबिक 27 अगस्त से मौजूदा 20706 सीएसएमटी-जालना वंदे भारत एक्सप्रेस को हुजूर साहिब नांदेड़ तक विस्तार किया जाएगा, जबकि 20705 जालना-सीएसएमटी वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन 28 अगस्त से नांदेड़ से शुरू होगा.

हफ्ते में छह दिन चलेगी यह वंदे भारत

फडणवीस ने इस अवसर पर मराठवाड़ा के लोगों को भी बधाई दी. मध्य रेलवे के मुताबिक सीएसएमटी-नांदेड़ वंदे भारत ट्रेन यात्रा के समय को लगभग दो घंटे कम कर देगी. यह नांदेड़ और मुंबई के बीच 610 किलोमीटर की दूरी 9 घंटे 25 मिनट में तय करेगी. मध्य रेलवे के मुताबिक इस ट्रेन का परिचालन सप्ताह में छह दिन किया जाएगा. नांदेड़ से बुधवार को तथा मुंबई के सीएसएमटी से गुरुवार को यह सेवा उपलब्ध नहीं होगी.

मुख्यमंत्री ने कहा कि वंदे भारत के जरिये नांदेड़, राज्य की राजधानी मुंबई के करीब आ गया है, जिससे क्षेत्र के लिए समृद्धि के द्वार खुल गए हैं. पहले मुंबई से जालना तक वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन किया जाता था जिसका विस्तार अब नांदेड़ तक किया गया है. इस ट्रेन की यात्री क्षमता भी 500 यात्रियों से बढ़ाकर 1,440 यात्री कर दी गई है. अब इसमें डिब्बों की संख्या आठ के बजाय 20 होंगी.

उद्धव ठाकरे परिवार संग पहुंचे भाई राज ठाकरे के घर

राष्ट्रबाण

मुंबई. गणेशोत्सव के मौके पर बुधवार को शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे अपने परिवार के साथ महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे के घर 'शिवतीर्थ' पहुंचे और भगवान गणेश के दर्शन किए. यह मुलाकात सिर्फ धार्मिक नहीं, बल्कि राजनीतिक मायनों से भी बेहद अहम मानी जा रही है.उद्धव और राज ठाकरे लंबे वक्त से अलग-अलग राजनीतिक राह पर चल रहे थे. लेकिन गणेशोत्सव के बहाने दोनों परिवार फिर से एक साथ आए हैं. राजनीतिक गलियारों में इसे 'ठाकरे परिवार की घर वापसी' के तौर पर देखा जा रहा है. दशकों बाद दोनों परिवारों के बीच नजदीकी बढ़ती नजर आ रही है.यह मुलाकात ऐसे समय पर हुई है जब 2026 के मुंबई महानगर-पालिका (बीएमसी) चुनाव नजदीक हैं. बीएमसी को महाराष्ट्र की राजनीति का मिनी विधानसभा माना जाता है.

वोट चोरी के आरोपों में बड़ा ट्विस्ट

मुंबई में MVA की जीत वाले क्षेत्रों में भी डबल वोटर, उम्मीदवारों की शिकायतें

राष्ट्रबाण

मुंबई. लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के एक आरोप से देश में हलचल मच गई है. उन्होंने बीजेपी समर्थित एनडीए पर मतदाता सूची में गड़बड़ी करके वोट चोरी करने का आरोप लगाया है. इसके बाद आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है. खबर है कि महाविकास अघाड़ी ने जिन सीटों पर जीत हासिल की. वहां भी डबल वोटरों के रजिस्ट्रेशन की शिकायतें मिली हैं. मानखुर्द शिवाजीनगर, मालाड पूर्व और मुंब्रा कलवा में दस हजार से तीस हजार तक डबल वोटर के रजिस्ट्रेशन के आरोप लगे हैं. लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच तीस से पचास हजार तक मतदाताओं की संख्या बढ़ने की जानकारी सामने आई है.

अबू आजमी की सीट में अचानक बढ़े थे 32 हजार वोटर

मानखुर्द शिवाजीनगर, मलाड पूर्व और मुंब्रा कलवा विधानसभा सीटों में कम से कम 10,000 से 30,000 डबल वोटर रजिस्ट्रेशन का आरोप लगाया गया है और वहां के प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवारों और पार्टी पदाधिकारियों ने चौंकाने वाली जानकारी दी है कि लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच 30 से 50,000 मतदाताओं के पंजीकरण में वृद्धि हुई है. मानखुर्द, शिवाजीनगर निर्वाचन क्षेत्र में 2024 में मतदाता सूची के सत्यापन के दौरान अचानक 32,000 वोटरों की वृद्धि दर्ज की गई. इस निर्वाचन क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के अबू आजमी 12000 वोटों से निर्वाचित हुए. उन्होंने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के अतीक अहमद खान को हराया. शेलार ने दावा किया कि लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच इस निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या 50,000 से ज़्यादा बढ़ गई. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के तत्कालीन ठाणे जिला अध्यक्ष आनंद परांजपे ने मुंब्रा कलवा विधानसभा क्षेत्र में 31,234 मतदाताओं को शामिल करने पर आपत्ति जताई थी. जब आव्हाड से इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि मैंने खुद शिकायत की थी कि मेरे निर्वाचन क्षेत्र में 27,000 मतदाता पंजीकृत थे.

अबू आजमी विदेश में

इस संबंध में अतीक खान ने कहा कि मेरे निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में कम से कम दो से तीन हजार फर्जी मतदाता हैं. लगभग 50 प्रतिशत मतदाता उत्तर भारत के भी मतदाता हैं और हमने खुलासा किया था कि यहां प्रवासियों ने भी मतदान किया था. मैंने विजयी उम्मीदवारों से इस बारे में कभी कोई शिकायत नहीं सुनी. उनके कार्यालय से कहा गया कि अबू आजमी विदेश में हैं. मलाड पूर्व में कांग्रेस के असलम शेख 6,227 मतों से जीते, जबकि बीजेपी के विनोद शेलार दूसरे स्थान पर रहे.

फास्ट ट्रैक

गणेशोत्सव पर साइबर ठगों से रहें सतर्क

बप्पा के लाइव दर्शन-मोदक प्रसाद के नाम पर लगाते हैं चूना

मुंबई. मुंबई समेत देशभर में गणेशोत्सव 2025 की धूम शुरू हो चुकी है. हर तरफ गणपति बप्पा मोरया का शोर मचा हुआ है. इस मौके पर काफी संख्या में श्रद्धालु ऑनलाइन तरीके से दान, बुकिंग और सजावट की खरीदारी करते हैं. इसका फायदा साइबर ठग भी उठाते हैं. पुलिस के मुताबिक, त्योहारों के दौरान ऑनलाइन फ्रॉड की शिकायतें 30 प्रतिशत तक बढ़ जाती हैं. शातिर ठग गणेश भक्तों को ऑनलाइन दर्शन कराने एवं मोदक का भोग ऑनलाइन कूरियर के जरिए भेजने का झांसा देकर धोखाधड़ी करते हैं. फर्जी प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से साइबर ठग लोगों की निजी जानकारी और बैंक डिटेल्स भी चुरा लेते हैं.मुंबई पुलिस सूत्र की मानें तो पिछले कुछ सालों में इसका प्रकार के ट्रेंड देखने को मिले हैं. कई लोगों ने पिछले साल भी ऐसे फर्जी वेबसाइट्स और सोशल मीडिया पेजों के माध्यम से ऑनलाइन दान और प्रसाद के लिए पैसे ट्रांसफर किए जाने और बदले में कुछ नहीं मिलने की शिकायतें की थीं. चुनरी, मोदक, फोटो और लाइव दर्शन आदि के नाम पर 51 सौ, 11 हजार, 21 हजार से लेकर 51 हजार रुपये तक ऑनलाइन फ्रॉड करने का मामला सामने आया था. इस बार भी साइबर ठग इसी मोडस ऑपरेंडी को अपना सकते हैं.

सटे विरार में 10 साल पुरानी 4 मंजिला इमारत गिरी

3 लोगों की मौत, कई घायल, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

राष्ट्रबाण

मुंबई. विरार ईस्ट स्थित रामाबाई अपार्टमेंट का एक हिस्सा मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात अचानक ढह गया. इस हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल बताए जा रहे हैं. हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, फायर ब्रिगेड, एनडीआरएफ और एंबुलेंस की टीम मौके पर पहुंच गईं और बचाव अभियान शुरू कर दिया. बताया जा रहा है कि दो विंग वाले इस भवन में से एक विंग पूरी तरह ढह गया. जिस हिस्से में यह हादसा हुआ, वहां चौथी मंजिल पर एक साल की बच्ची का जन्मदिन समारोह चल रहा था. इस वजह से आशंका जताई जा रही है कि पीड़ितों की संख्या और बढ़ सकती है. प्रशासन ने एहतियातन इमारत के दूसरे विंग को भी खाली करा लिया है. मौके पर राहत-बचाव कार्य जारी है और नुकसान का आकलन किया जा रहा है. ये बिल्डिंग 10 साल पुरानी बताई जा रही है.डीडीएमओ ने बताया कि रामबाई अपार्टमेंट का जो हिस्सा गिरा, वह चार मंजिला था. यह हादसा बहुत ही दुखद है. बचाव दल पूरी कोशिश कर रहे हैं कि फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकाला जा सके. स्थानीय लोगों का कहना है कि इमारत काफी पुरानी थी. इसकी मरम्मत की जरूरत थी. नगर निगम ने पहले ही इसे खतरनाक घोषित कर दिया था. लेकिन, इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया. इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है. लोग डरे हुए हैं. वे अपने घरों को छोड़ने को मजबूर हैं.

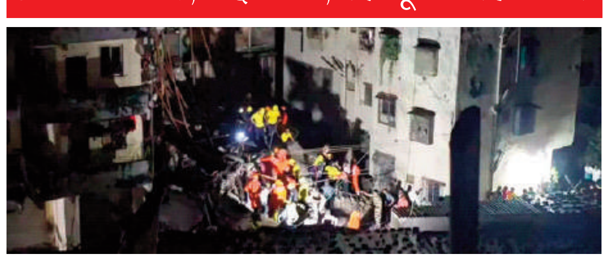

घायलों का चल रहा इलाज

प्रशासन लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का काम कर रहा है. डीडीएमओ के अनुसार, इमारत का पिछला हिस्सा ढह गया. यह हिस्सा चामुंडा नगर और विजय नगर के बीच नारंगी रोड पर स्थित था. यह घटना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है. प्रशासन हर संभव मदद करने की कोशिश कर रहा है. घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. उनका इलाज चल रहा है.

अब पटरी पर आएगा ठाणे का ट्रैफिक, मेट्रो का इंतजार खत्म!

राष्ट्रबाण

मुंबई. महाराष्ट्र में मुंबई के बाद अब ठाणे जिले में भी मेट्रो आने वाली है. शिवसेना प्रमुख और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने इस बात की जानकारी दी है कि सितंबर में मेट्रो का ट्रायल रन होगा और इसी साल मेट्रो का सफर भी आम जनता के लिए शुरू हो जाएगा. इतना ही नहीं, एकनाथ शिंदे ने पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोगों ने ठाणेवासियों को मेट्रो का सपना दिखाया, लेकिन पूरा नहीं किया.

एकनाथ शिंदे ने कहा कि सपना सिर्फ सपना ही रह गया. जमीनी स्तर पर कभी काम ही नहीं हो पाया लेकिन अब ठाणे में मेट्रो सेवा का सपना जल्द ही हकीकत बनने जा रहा है. सितंबर तक ट्रायल रन पूरा कर लिया जाएगा और दिसंबर से मेट्रो सेवाएं शुरू कर दी जाएंगी.

एकनाथ शिंदे ने कहा, ठाणे की जनता लंबे समय से मेट्रो सेवा का इंतजार कर रही थी. अब यह इंतजार खत्म होने वाला है. दिसंबर में यात्रियों के लिए मेट्रो के द्वार खुल जाएंगे. इससे न केवल यातायात की समस्या कम होगी, बल्कि लोगों को आरामदायक और सुरक्षित सफर का अनुभव भी मिलेगा.

'युद्धस्तर पर चल रहा निर्माण'

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि मेट्रो निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है. उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि सितंबर में ट्रायल रन को सफलतापूर्वक पूरा किया जाए और दिसंबर में सेवा शुरू की जाए. इसके लिए सभी एजेंसियां युद्धस्तर पर काम कर रही हैं.

आंतरिक मेट्रो नेटवर्क का भी शुभारंभ

शिंदे ने यह भी जानकारी दी कि ठाणे के आंतरिक मेट्रो नेटवर्क का प्रारंभिक काम भी शुरू हो गया है. यह नेटवर्क मुख्य मेट्रो लाइनों से जुड़कर यात्रियों को एकीकृत परिवहन प्रणाली प्रदान करेगा. इससे ठाणे के अलग-अलग इलाकों में आने-जाने की सुविधा बढ़ेगी और शहर का यातायात दबाव काफी हद तक कम होगा.

शहर के विकास की दिशा में बड़ा कदम

विशेषज्ञों का मानना है कि मेट्रो सेवा शुरू होने से ठाणे में रियल एस्टेट बाजार को भी बढ़ावा मिलेगा और शहर की कनेक्टिविटी मुंबई के अन्य हिस्सों से बेहतर होगी. इसके साथ ही समय की बचत, ट्रैफिक जाम में कमी और प्रदूषण घटाने में भी मदद मिलेगी. उम्मीद की जा रही है कि ट्रायल रन की सफलता के बाद दिसंबर से यात्रियों को मेट्रो की सुविधा मिलेगी, जो ठाणे के विकास के लिए एक बड़ा मील का पत्थर साबित होगा.

एकनाथ शिंदे ने विपक्ष पर साधा निशाना

एकनाथ शिंदे ने कांग्रेस और पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण पर भी निशाना साधा. उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने मेट्रो लाने का दावा किया था, लेकिन ठाणे के लोगों को कोई सुविधा नहीं मिली. जब हमने और हमारे विधायकों ने प्रदर्शन किया, तब जाकर यहां मेट्रो का काम शुरू हुआ. विपक्ष केवल सपने दिखाता रहा, लेकिन आज मेट्रो वास्तव में मिलने वाली है.

कारोबारी को मिली जान से मारने की धमकी

डॉन ने कॉल कर मांगी 80 करोड़ की फिरौती

राष्ट्रबाण

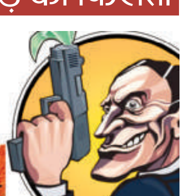

मुंबई . मुंबई के एक रसायन और पेट्रोकेमिकल आयातक व्यवसायी को अंडरवर्ल्ड से जुड़ी धमकियों और करोड़ों रुपए की फिरौती मांगने का सनसनीखेज मामला सामने आया है. कारोबारी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसे पाकिस्तान से फोन कर धमकाया गया है और धमकी देने वालों ने खुद को कुख्यात गैंगस्टर छोटा शकील गिरोह से जुड़ा बताया. पुलिस को दी गई जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता व्यवसायी का कार्यालय फोर्ट और दुबई दोनों जगह है. उसने वर्ष 2015 में ईरान से तेल आयात किया था. उस समय अमेरिका ने ईरान पर प्रतिबंध लगा रखे थे, जिसके चलते भुगतान कारोबारी ने दुबई के माध्यम से किया. बाद में ईरानी सप्लायर कंपनी ने आरोप लगाया कि कुछ खेपों का भुगतान नहीं हुआ और ईरान में मध्यस्थता की प्रक्रिया शुरू कर दी. व्यवसायी के अनुसार वह ईरान में हुई मध्यस्थता की कार्यवाही में पेश नहीं हुआ, जिसके कारण वहां की अदालत ने एकतरफा आदेश ईरानी कंपनी के पक्ष में दे दिया. इसके बाद कंपनी ने बॉम्बे हाईकोर्ट में उसकी संपत्तियों को कुर्क करने की मांग की, हालांकि अदालत ने उस याचिका को खारिज कर दिया. फिलहाल यह दीवानी मामला अंतिम सुनवाई के लिए लंबित है.शिकायत में कहा गया है कि जून से लगातार पाकिस्तान से धमकी भरे कॉल आ रहे हैं. कॉल करने वाले पहले 20 करोड़ की मांग कर रहे थे, लेकिन बाद में यह रकम बढ़ाकर 80 करोड़ तक कर दी गई. कॉलर्स ने धमकाते हुए कहा कि अगर रकम नहीं दी गई तो उसका अंजाम बाबा सिद्दीकी के जैसा होगा.

एकनाथ शिंदे ने मनोज जरांगे को भेजा संदेश

गणेश उत्सव के दौरान न करें मुंबई कूच, क्या टलेगा मराठा आंदोलन?

राष्ट्रबाण

मुंबई. महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और बीजेपी ने मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे से प्रदर्शन टालने का अनुरोध किया है. उन्होंने कहा कि मनोज जरांगे महाराष्ट्र सरकार के साथ बातचीत में शामिल हों. वह अभी गणेश उत्सव के दौरान मुंबई में प्रदर्शन करने की अपनी योजना पर फिर से विचार करें. एकनाथ शिंदे ने मनोज जरांगे के करीबी लोगों को इस बारे में संदेश भेजा है.

शिवसेना नेता ने कहा कि 43 वर्षीय जरांगे को अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन का पूरा अधिकार है, लेकिन उन्हें गणेश उत्सव और मुंबई में इसके वृहद आयोजन को ध्यान में रखना चाहिए. गणेश उत्सव के एक दिन पहले, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कार्यालय में विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) राजेंद्र साबले पाटिल जालना जिले के अंतरवाली सराटी गांव में जरांगे से मिलने गए.

पाटिल ने जरांगे से आंदोलन स्थगित करने का अनुरोध किया. साथ ही उन्होंने यह भी पूछा कि प्रदर्शनकारी किस रास्ते से मुंबई जाएंगे. मनोज जरांगे मराठा समुदाय को कुनबी जाति (अन्या पिछड़ा वर्ग में शामिल एक जाति) के रूप में मान्यता दिलाने की मांग को लेकर आंदोलनरत हैं, ताकि उन्हें शिक्षा और सरकारी नौकरियों में आरक्षण मिल सके.

जरांगे ने महाराष्ट्र सरकार को 10 प्रतिशत मराठा आरक्षण देने के लिए मंगलवार (26 अगस्त) तक का 'अल्टीमेटम' दिया है. उन्होंने स्पष्ट किया है कि यदि सरकार उनकी मांग नहीं मानती है तो 27 अगस्त, गणेश चतुर्थी के दिन से मुंबई की ओर पदयात्रा शुरू की जाएगी और 29 अगस्त को आजाद मैदान में अनिश्चितकालीन अनशन शुरू किया जाएगा.भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के मुख्य प्रवक्ता केशव उपाध्याय ने जरांगे से मुंबई में रैली आयोजित करने की अपनी योजना पर पुनर्विचार करने की अपील की. उन्होंने कहा कि सरकार के साथ बातचीत ही आगे बढ़ने का सबसे अच्छा तरीका है.उपाध्याय ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''जरांगे जी, हमारा और आपका रुख एक जैसा है. आपने समुदाय के मुद्दों को संवैधानिक माध्यम से उठाने का जो फैसला लिया है, वह स्वागत योग्य है. रचनात्मक बातचीत के लिए यह रुख महत्वपूर्ण है क्योंकि आंदोलन से ज़्यादा, बातचीत ही सबसे बेहतर तरीका है. उन्होंने कहा कि सरकार मराठा समुदाय के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है.

एयरपोर्ट पर कस्टम ने पकड़ा

सऊदी अरब से प्राइवेट पार्ट में छुपा कर लाया 1 किलो सोना

राष्ट्रबाण

मुंबई. महाराष्ट्र में मुंबई के हवाई अड्डे से कस्टम विभाग ने एक यात्री के पास से वैक्स के फॉर्म में 25 कैरट गोल्ड डस्ट के साथ गिरफ्तार किया है. जब्त सोने का वजन 1.07 किलो से ज्यादा है और उसकी कीमत 1.02 करोड़ रुपये है. सऊदी अरब से आया आरोपी छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा था.

एक अधिकारी ने बताया कि जब्त किया गया सोना यात्री के प्राइवेट पार्ट में छिपा हुआ पाया गया.उन्होंने बताया कि विशिष्ट सूचना के आधार पर, मुंबई सीमा शुल्क के हवाई अड्डा आयुक्तालय के कर्मियों ने सऊदी अरब के जेद्दा से आने वाले यात्री को रोका था और ये सूचना सही निकली.

अधिकारी ने बताया कि तलाशी के दौरान, उन्हें उसके प्राइवेट पार्ट में छिपा हुआ गोल्ड वैक्स मिला.उन्होंने बताया कि यात्री को सीमा शुल्क अधिनियम के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है. मामले में आगे की जांच जारी है.बता दें कि सोने या चांदी को अवैध तरीके से लाने के लिए अनोखे तरीके को अपनाए जाने के ये पहले मामला नहीं है बल्कि अक्सर ऐसे मामले सामने आते हैं. कुछ समय पहले एक बार कुछ लोगों को शरीर की इंटेस्टाइन में सोना छुपाकर लाते हुए पकड़ा गया था.एक बार सूडान के यात्री सोने की छड़ों से बने खास बेल्ट में सोना छुपाकर ला रहे थे. एक बार तस्करी के लिए सोने को कैप्सूल और मोम के रूप में छिपाया गया था.

मुंबई में MMRDA की बड़ी कार्रवाई

मोनोरेल हादसे के बाद 2 अधिकारी सस्पेंड

राष्ट्रबाण

मुंबई.मुंबई की मोनोरेल में भारी बारिश के बाद अचानक पावर सप्लाई ठप होने से ट्रेन बीच ट्रैक पर रुक गई और करीब 582 यात्री घंटों तक फंसे रहे थे. इस मामले में मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने एक हफ्ते पहले बारिश के बीच मुंबई में दो मोनोरेल में सैकड़ों यात्रियों के फंसने से संबंधित मामले में चूक के लिए दो वरिष्ठ अधिकारियों को निलंबित कर दिया है.

फिलहाल अधिकारियों ने बताया कि महानगर में मोनोरेल सेवाओं का संचालन करने वाले एमएमआरडीए ने 19 अगस्त की घटना की उच्च स्तरीय जांच भी शुरू कर दी है. इस बीच मैसूर कॉलोनी और भक्ति पार्क के बीच फंसी एक मोनोरेल से 'स्नोर्कल' सीढ़ी लगाकर 582 यात्रियों को बचाया गया था. इस बीच बचाव दल ने यात्रियों को बाहर निकालने के लिए खिड़कियां तोड़ दीं और ट्रेन के दरवाजे खोल दिए थे.इस घटना के बाद सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिरकार मोनो रेल में बार-बार तकनीकी खराबियों की चपेट में क्यों आ जाती हैं. मुंबई में मोनोरेल को मेट्रो की सहायक सेवा के तौर पर लाया गया था.एक अन्य मोनोरेल को सफलतापूर्वक वापस खींचकर वडाला स्टेशन ले जाने के बाद 200 यात्रियों को निकाला गया था. इसके साथ ही अधिकारियों ने बताया कि सभी यात्रियों को निकाल लिया गया था, लेकिन इस घटना ने उनकी सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं.

राजनीति राहुल की वोटर अधिकार यात्रा पर जवाब

मैं विपक्ष के बारे में बात ही नहीं करना चाहूंगी- अमृता फडणवीस

राष्ट्रबाण

मुंबई. पूरे महाराष्ट्र में गणेश उत्सव की धूम है. हर बार की तरह इस बार भी मुख्य आकर्षण का केंद्र मुंबई के 'लालबाग चा राजा' के राजा हैं. इनके दर्शन के लिए आम से लेकर खास लोगों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है. महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस भी बुधवार (27 अगस्त) को दर्शन करने पहुंची. मीडिया ने जब राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा पर सवाल किया तो उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया दी.मीडिया के सवाल पर अमृता फडणवीस ने कहा, "आज दिन इतना सुंदर है कि मैं विपक्ष के बारे में बात ही नहीं करना चाहूंगी. बस इतना कहना चाहूंगी कि बप्पा सबको सद्बुद्धि दे."

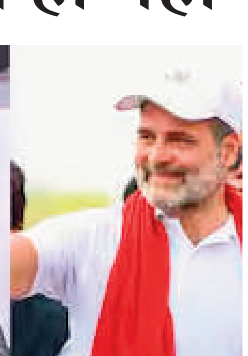

'अब 10 दिन बप्पा हमारे साथ रहेंगे'

दर्शन करने के बाद अमृता फडणवीस ने कहा, आज बहुत खुशी हो रही है कि बप्पा का आगमन हो चुका है. गणेशोत्सव महाराष्ट्र में पूरे भारत में धूमधाम से मनाया जाता है. अब 10 दिन बप्पा हमारे साथ रहेंगे, इसकी खुशी है. लाखों लोग इसे मनाते हैं, तो मैं ये भी कहना चाहूंगी कि प्रकृति का भी आप ध्यान रखें. मिट्टी के बने गणपति लाएं और विसर्जन के लिए नगरपालिका के द्वारा बनाए गए तालाबों का ही प्रयोग करें. मैं बप्पा से महाराष्ट्र के लोगों के लिए सुख और समृद्धि मिलने की प्रार्थना करती हूं और किसी भी आपत्ति से उन्हें बचाएं.वहीं सिंगर राहुल वैद्य ने कहा, हमारे लालबाग के राजा की मूर्ति बहुत सुंदर है. मुझे बहुत खुशी हो रही है कि मैं इस बार सिर्फ दर्शन करने के लिए नहीं, परफॉर्म भी करने आया हूं. मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे आज बप्पा के दरबार में आकर गाने का मौका मिला है.

सुरक्षा के कड़े इंतजाम

सिद्धेश कोरगावकर ने बताया कि श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं. प्राइवेट सिक्योरिटी और मुंबई पुलिस की तैनाती के साथ-साथ पंडाल में सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है, ताकि भक्त शांतिपूर्वक दर्शन कर सकें. इस साल लालबाग सार्वजनिक उत्सव मंडल ने बताया कि गणेश गली के राजा की 22 फीट ऊंची मूर्ति तमिलनाडु के रामेश्वरम की पौराणिक कथा से प्रेरित है.

लालबाग में 22 फीट ऊंची मूर्ति बप्पा की मूर्ति

इससे पहले लालबाग सार्वजनिक उत्सव मंडल के उपाध्यक्ष सिद्धेश कोरगावकर ने कहा, इस बार हम लोग 98वां गणेशोत्सव मना रहे हैं. यह लालबाग इलाके का सबसे पुराना गणपति है. 22 फीट ऊंची मूर्ति बनाई है.

रामेश्वरम की थीम को दर्शाया गया

उन्होंने कहा कि मूर्ति और सजावट में रामेश्वरम की थीम को दर्शाया गया है, जिसमें हनुमान जी रामेश्वरम से भगवान शंकर का पिंड लेकर आते हैं. उसी कथा के अनुसार मूर्ति और डेकोरेशन में रामेश्वरम की झलक दिखाई देती है.

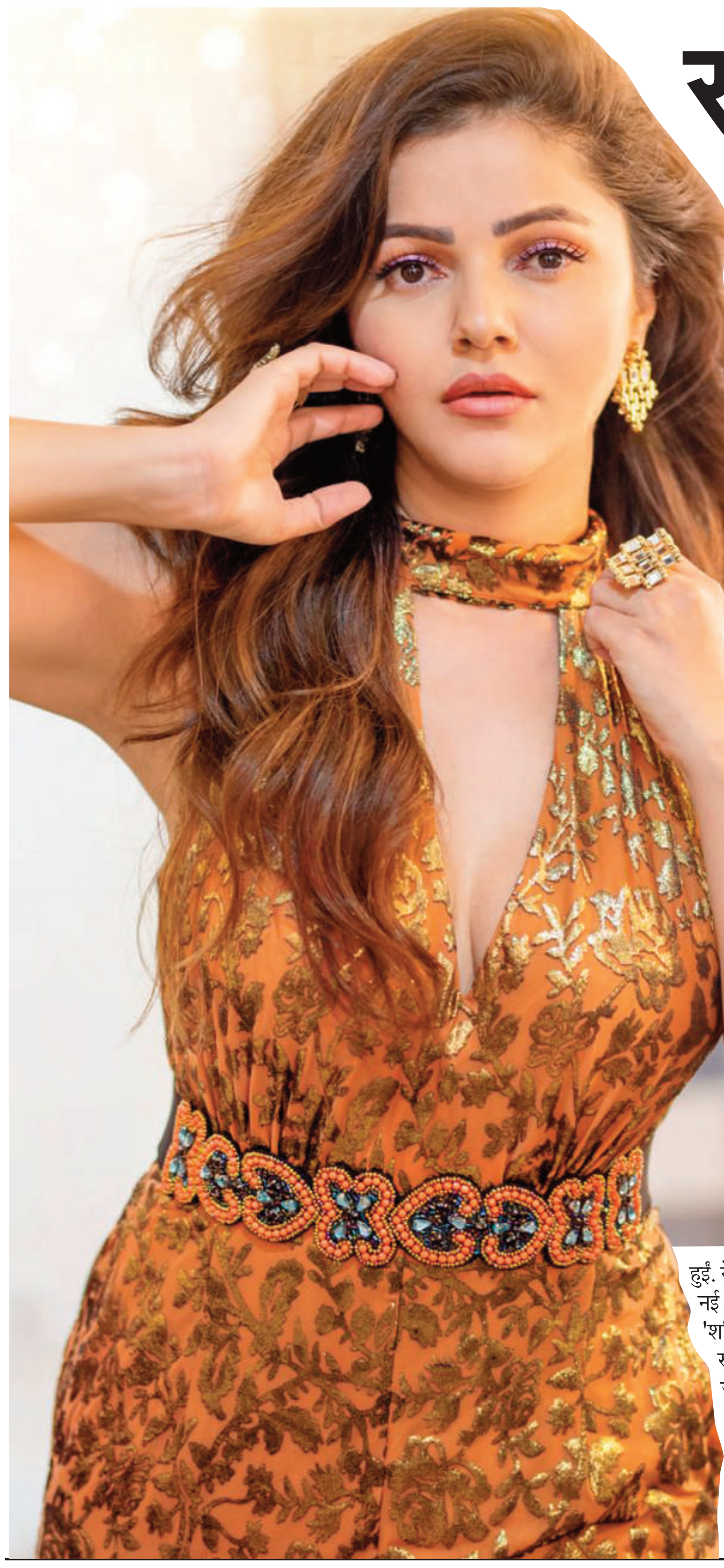

रुबीना दिलैक का ग्लैमरस जलवा

टीवी इंडस्ट्री में कई ऐसी एक्ट्रेसेस हैं, जिनकी खूबसूरती पर लोग फिदा हैं, लेकिन एक पहाड़ी लड़की ऐसी है जो सालों पहले इंडस्ट्री में आई और छा गई थी. उनका नाम रुबीना दिलैक है, जो आज अपना 38वां बर्थडे मना रही हैं.26 अगस्त 1987 को शिमला में जन्मीं रुबीना दिलैक की स्कूलिंग शिमला में ही हुई है. 2006 में रुबीना ने मिस शिमला का खिताब जीता था और फिर उन्होंने कई ब्यूटी कॉन्सेस्ट स्कूल या कॉलेज के समय में जीता था.

रुबीना दिलैक ने इंग्लिश लिट्रेचर में ग्रेजुएशन और पॉलिटिकल साइंस में पोस्ट ग्रेजुएशन किया था. 2008 में चंडीगढ़ में हुए ब्यूटी कॉन्टेस्ट में रुबीना ने मिस नॉर्थ इंडिया का खिताब जीता था.रुबीना चंडीगढ़ में IAS की तैयारी करने के लिए काफी समय रहीं. उसी दौरान एक सीरियल का ऑडिशन हो रहा था और दोस्तों के कहने पर वो छुट्टी वाले दिन ऑडिशन में चली गईं और वो 'छोटी बहू' सीरियल के लिए सिलेक्ट हो गई.2009 में टीवी सीरियल 'छोटी बहू' शुरू हुआ, जिसमें वो बतौर लीड एक्ट्रेस नजर आई थीं. उनके किरदार का नाम राधिका था और इसी नाम से वो घर-घर में फेमस हुईं. ये सीरियल 2012 तक जी टीवी पर प्रसारित हुआ था.2013 में इनका नया सीरियल 'पुनर विवाह-एक नई उम्मीद' टेलीकास्ट हुआ था, जो काफी समय तक चला. इसके बाद रुबीना ने 'देवों के देव महादेव', 'शक्ति-अस्तित्व के एहसास की' जैसे सुपरहिट सीरियल किए.2020 में 'बिग बॉस 14' आया था, जिसमें रुबीना दिलैक ने ट्रॉफी जीती थी. इसके बाद 2022 में इन्होंने 'खतरों के खिलाड़ी 12', 'झलक दिखला जा 10', 'लाफ्टर शेफ' और 'पति-पत्नी और पंगा' जैसे रियलिटी शोज में नजर आईं.2020 में रुबीना की पहली शॉर्ट फिल्म 'बरेली की बेटी' से बॉलीवुड करियर की शुरुआत की थी. इसके बाद इन्होंने हिंदी फिल्म 'अर्ध' और पंजाबी फिल्म 'चल भज चलिए' जैसी फिल्में कीं.रुबीना ने 2018 में एक्टर अभिनव शुक्ला के साथ शादी की थी, जिनसे उन्हें दो बेटियां जीवा और एधा शुक्ला रखा है. रुबीना और अभिनव की बॉन्डिंग गजब की है. रुबीना अपने पति अभिनव के साथ इन दिनों 'पति-पत्नी और पंगा' में नजर आ रहे हैं.

बॉलीवुड का हिस्सा नहीं बनेंगी अजय-काजोल की बेटी

बॉलीवुड इंडस्ट्री में हर साल सितारों के बच्चे फिल्मों में कदम रख रहे हैं. इस साल रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी, अनन्या पांडे के भाई अहान पांडे और सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान ने अपने-अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की. अब फैन्स काजोल और अजय देवगन की बेटी नीसा को भी फिल्मों में देखना चाहते हैं. नीसा ने अपने ट्रांसफॉर्म से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है. लेकिन इसी बीच काजोल ने हिंट दिया है कि उनकी बेटी बॉलीवुड में कदम नहीं रखेंगी.हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान काजोल ने इस बात को कंफर्म किया है कि उनकी बेटी फिल्म इंडस्ट्री में शामिल नहीं होंगी. इसके पीछे की एक वजह नेपो किड्स की कड़ी आलोचना भी है. काजोल ने कहा, वह एक्टिंग में कदम नहीं रख रही हैं. वह 22 साल की हैं और उन्होंने लगभग तय कर लिया है कि वह इंडस्ट्री में नहीं आएंगी.काजोल ने नेपोटिज्म पर अपने विचार शेयर करते हुए कहा, जब आप फिल्म इंडस्ट्री में एंट्री करते हैं, तो आपको यह समझना होगा कि इसके फायदे और नुकसान दोनों हैं और आपको जांच से गुजरना होगा. इसमें से कुछ कठोर होता है, कुछ हास्यास्पद और भयानक, लेकिन यह सब आपकी ग्रोथ और जर्नी का हिस्सा है. यह ऐसी चीज है जिसका सामना हर किसी को करना पड़ता है. यह ऐसा कुछ नहीं है जिसके बारे में आपके पास कोई ऑप्शन हो.इस साल मार्च में एक मीडिया चैनल के इवेंट के दौरान, काजोल ने खुलासा किया था कि उनकी बेटी नीसा ने मन बना लिया है और वह फिल्म इंडस्ट्री में कदम नहीं रखेंगी. नीसा के फिल्म इंडस्ट्री में आने की अटकलों पर बात करते हुए, उन्होंने कहा कि उनकी बेटी का फिलहाल एक्टिंग में करियर बनाने का कोई इरादा नहीं है.

छावा और सैयारा का दबदबा बरकरार

साल 2025 के खत्म होने में अब बस कुछ ही महीने बाकी हैं. कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर दस्तक दे चुकी हैं, तो कुछ का आना अभी बाकी हैं. बॉलीवुड का ये साल काफी चौंकाने वाला साबित हुआ. कुछ छोटी फिल्मों ने जबरदस्त कमाई की है, तो कुछ बड़ी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर धराशायी भी हुई हैं.

फरवरी में रिलीज हुई छावा साल 2025 की नंबर 1 बॉलीवुड फिल्म होने के साथ-साथ इस साल की नंबर 1 इंडियन फिल्म भी बनी. अगर कंटाराः चैप्टर 1 उम्मीदों पर खरी नहीं उतरती, तो छावा साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म भी बन सकती है.वाईआरएफ के लिए 2025 दिलचस्प रहा है. कुछ ही महीनों में उन्हें बड़ी सफलता और बड़ी असफलता का स्वाद चखना पड़ा. सैयारा उम्मीदों के मुताबिक साल की सबसे बड़ी सफलता बनकर उभरी, जबकि वॉर 2 उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी. सैयारा, जिसके 2025 की टॉप 10 सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्मों की लिस्ट में जगह बनाने की उम्मीद नहीं थी, वो अब दूसरे स्थान पर है, जबकि वॉर 2, जो साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्म के लिए सबकी नंबर एक पसंद थी, तीसरे स्थान पर है.सितारे जमीन पर, हाउसफुल 5 और रेड 2 जैसी फिल्मों को पसंदीदा फिल्मों की अगली कड़ी होने का फायदा मिला और उन्होंने अपने बजट और लोकप्रियता के हिसाब से अच्छी कमाई की. सिकंदर बुरी तरह फ्लॉप साबित हुई, जबकि स्काई फोर्स की परफॉर्मेंस भी काफी कमजोर रही. केसरी 2 और जाट भले ही ब्रेकआउट फिल्में न हों, लेकिन फिर भी उन्होंने अंत में अच्छा कारोबार किया.

श्रीदेवी की संपत्ति पर गैरकानूनी कब्जा

प्रोड्यूसर बोनी कपूर ने मद्रास हाई कोर्ट का रुख किया है और आरोप लगाया है कि तीन लोग उनकी दिवंगत पत्नी और अभिनेत्री श्रीदेवी की चेन्नई स्थित संपत्ति पर अवैध रूप से अधिकार जता रहे हैं. रिपोर्ट के अनुसार बोनी कपूर ने एक याचिका दायर की है और तीनों व्यक्तियों पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया है. बोनी कपूर ने अदालत को बताया कि श्रीदेवी ने 19 अप्रैल, 1988 को एम.सी. संबंदा मुदलियार नामक व्यक्ति से यह संपत्ति खरीदी थी.फिल्ममेकर की मानें तो जिस शख्स से श्रीदेवी ने प्रॉपर्टी खरीदी थी, उसके तीन बेटे और दो बेटियां थीं. परिवार के सदस्यों ने फरवरी 1960 में आपस में संपत्ति के बंटवारे का समझौता किया था. इसी समझौते के आधार पर श्रीदेवी ने यह संपत्ति खरीदी थी.हालांकि, हाल के दिनों में तीन लोग इस संपत्ति पर अपना दावा जताने लगे. इन तीन लोगों में से एक महिला है, जो श्री मुदलियार के तीन बेटों में से एक की दूसरी पत्नी होने का दावा करती हैं, और बाकी दो उसके बेटे हैं. अपनी याचिका में बोनी कपूर ने कहा कि दूसरी पत्नी का दावा है कि उनकी शादी 5 फरवरी, 1975 को हुई थी. इसलिए मुदलियार के बेटे से उनकी शादी को वैध नहीं माना जा सकता, क्योंकि उनकी पहली पत्नी की मृत्यु 24 जून, 1999 को हो गई थी.बोनी कपूर ने तीनों व्यक्तियों को कानूनी उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी करने पर भी सवाल उठाया और अदालत से इसे जल्द से जल्द रद्द करने का अनुरोध किया. प्रोड्यूसर की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति एन. आनंद वेंकटेश ने ताम्बरम तालुका तहसीलदार को चार सप्ताह के भीतर निर्णय लेने का निर्देश दिया. बता दें, श्रीदेवी की संपत्ति तमिलनाडु के चेन्नई में ईस्ट कोस्ट रोड (ईसीआर) पर स्थित है.

राजकुमार राव के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी ये एक्ट्रेस

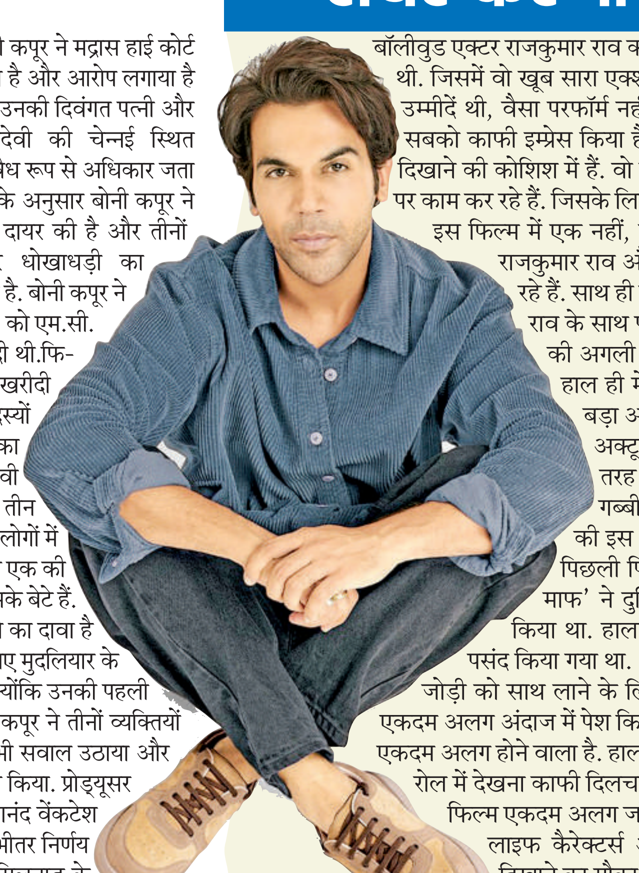

बॉलीवुड एक्टर राजकुमार राव की कुछ वक्त पहले फिल्म 'मालिक' आई थी. जिसमें वो खूब सारा एक्शन करते दिखे थे. पर फिल्म से उन्हें जैसी उम्मीदें थी, वैसा परफॉर्म नहीं कर पाई. स्त्री एंड पार्ट 2 से एक्टर ने सबको काफी इम्प्रेस किया है. एक बार फिर कुछ वैसा ही कमाल दिखाने की कोशिश में हैं. वो इस वक्त उज्वल निकम की बायोपिक पर काम कर रहे हैं. जिसके लिए राजकुमार राव को एक्ट्रेस मिल गई है. इस फिल्म में एक नहीं, बल्कि दो खास बातें हैं. पहली यह कि राजकुमार राव और दिनेश विजन छठी बार साथ काम कर रहे हैं. साथ ही जिस एक्ट्रेस की एंट्री हुई है, वो राजकुमार राव के साथ पहले भी काम कर चुकी हैं.राजकुमार राव की अगली फिल्म पर तेजी से काम किया जा रहा है. हाल ही में एक न्यूज वेब साइट पर छपी खबर से बड़ा अपडेट मिला. जिससे पता लगा कि फिल्म अक्टूबर 2025 में फ्लोर पर जाने के लिए पूरी तरह तैयार है. वहीं अब उनके साथ वामिका गब्बी भी टीम का हिस्सा हैं.राजकुमार राव की इस फिल्म में वामिका गब्बी भी होंगी. जो पिछली फिल्म में साथ थीं. उनकी 'भूल चूक माफ' ने दुनियाभर से 88 करोड़ का कारोबार किया था. हालांकि, दोनों की केमिस्ट्री को काफी पसंद किया गया था. अब एक बार फिर मेकर्स दोनों की जोड़ी को साथ लाने के लिए एक्साइटेड हैं. हालांकि, उन्हें एकदम अलग अंदाज में पेश किया जाएगा. जो पिछली फिल्म से एकदम अलग होने वाला है. हालांकि, दोनों एक्टर्स को सीरियस रोल में देखना काफी दिलचस्प होगा. जहां उनकी पिछली फिल्म एकदम अलग जॉनर की थी. तो इस बार रियल लाइफ कैरेक्टर्स और इवेंट्स को बड़े पर्दे पर दिखाने का मौका मिल रहा है.

रानी ने ठुकराई ये 6 बड़ी फिल्में

साल 1996 में बंगाली सिनेमा से अपना एक्टिंग करियर शुरू करने वाली रानी मुखर्जी ने जल्द ही बॉलीवुड में अपने कदम रख दिए थे और अपनी दमदार अदाकारी से सीधे फैंस के दिलों पर राज किया. अब तक 29 साल के करियर में ढेरों फिल्में कर चुकीं रानी ने कई बड़ी फिल्मों को रिजेक्ट भी कर दिया था.

आज हम आपको उनके द्वारा रिजेक्ट की गई 6 ऐसी ही फिल्मों के बारे में बता रहे हैं.आमिर खान की साल 2001 में आई क्रिकेट पर बेस्ड फिल्म 'लगान' को बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता मिली थी. इसमें आमिर के अपोजिट जो रोल एक्ट्रेस ग्रेसी सिंह ने निभाया था उसके लिए पहले मेकर्स ने रानी मुखर्जी को अप्रोच किया था.संजय दत्त और अरशद वारसी की साल 2005 में आई फिल्म 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' को काफी पसंद किया गया था. इस शानदार फिल्म के लिए भी मेकर्स ने रानी को रोल ऑफर किया था. हालांकि रानी ने इस फिल्म में भी दिलचस्पी नहीं दिखाई.अक्षय कुमार, रितेश देशमुख और फरदीन खान की फिल्म 'हे बेबी' ने दर्शकों का दिल जीत लिया था. रानी को ये फिल्म भी ऑफर की गई थी. लेकिन, उन्होंने इसे ठुकरा दिया था. बाद में विद्या बालन ने इसमें लीड रोल निभाया था.रानी मुखर्जी, अक्षय कुमार की एक और फिल्म 'वक्त' का ऑफर भी रिजेक्ट कर चुकी हैं. 2005 में आई इस फिल्म में अक्षय के अपोजिट प्रियंका चोपड़ा ने लीड रोल निभाया था. लेकिन, इसके लिए मेकर्स की पहली पसंद रानी थी.1998 में रानी ने शाहरुख खान के साथ ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में काम किया था. जबकि इसी साल रिलीज हुई शाहरुख की एक अन्य फिल्म 'दिल से' का ऑफर ठुकरा दिया था. बाद में वो रोल मनीषा कोइराला ने किया था.रानी मुखर्जी को साल 2007 की बेहतरीन फिल्म 'भूल भुलैया' के लिए भी अप्रोच किया गया था. इसमें भी अक्षय कुमार ने लीड रोल निभाया था. रानी ने किसी वजह से ये पिक्चर भी रिजेक्ट कर दी थी. उनके इनकार के बाद इसमें विद्या बालन की एंट्री हुई थी.

मिमिक्री आर्टिस्ट को सुनील शेट्टी की नकल पड़ी भारी

सुनील शेट्टी बॉलीवुड इंडस्ट्री के बेहद कूल एक्टरों में जिने जाते हैं, लेकिन इन दिनों उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह एक मिमिक्री आर्टिस्ट पर गुस्से से बरसते नजर आ रहे हैं. हाल ही में एक्टर भोपाल के करोंद इलाके में आयोजित एक इवेंट में पहुंचे थे. इस दौरान वहां मौजूद एक मिमिक्री आर्टिस्ट सुनील शेट्टी की आवाज और अंदाज की नकल करता नजर आया, जिसे देखकर अभिनेता बिल्कुल भी खुश नहीं हुए और भरे स्टेज पर आर्टिस्ट को खरी-खोटी सुना दी. अब उनका ये वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है.वायरल हो रही क्लिप में साफ देखा जा सकता है कि मिमिक्री आर्टिस्ट सुनील शेट्टी के फिल्मों के पॉपुलर डायलॉग्स बोलकर उनका अंदाज कॉपी करने की कोशिश करता है. हालांकि, एक्टर इसे देख भड़क जाते हैं और कहते हैं, 'कब से ये भाई साहब, अनजली अलग-अलग डायलॉग बोल रहे हैं, जो मेरी आवाज में है ही नहीं.

गोविंदा की पत्नी सुनीता का फोकस बेटे के लॉन्च पर

बॉलीवुड एक्टर गोविंदा और उनकी पत्नी काफी वक्त से लोगों के बीच सुर्खियां बटोर रहे हैं. हालांकि, उनके सुर्खियों में रहने की वजह वापस से सामने आ रही उनकी तलाक की अफवाहें हैं.उन्हें अफवाहों के बीच सुनीता ने अपने बेटे यशवर्धन की डेब्यू फिल्म के बारे में बात की है. साथ ही उन्होंने सारे नए एक्टर्स के बारे में और उनकी फिल्मों के बारे में भी चर्चा की है.यशवर्धन की फिल्म का इंतजार सभी को है, वो फिल्ममेकर साई राजेश की तेलुगु फिल्म बेबी के रीमेक पर काम कर रहे हैं. एक्टर की मां ने उनकी फिल्म को अहान पांडे से कंपेयर भी किया है.दरअसल, सुनीता के इंटरव्यू के दौरान एक फैन ने कहा कि यशवर्धन बहुत हैंडसम हैं, उन्हें 'सैयारा' में एक्टिंग करनी चाहिए थी. इस पर सुनीता ने कमाल का जवाब दिया है.सुनीता ने कहा, काश, लेकिन उससे बेहतर पिक्चर कर रहा है यश. साथ ही 'सैयारा' के बारे में बात करते हुए सुनीता ने ये भी बताया कि अभी तक उन्होंने इस फिल्म को नहीं देखा है.उन्होंने यश के बारे में कहा है कि वो 'सैयारा' दो बार देख चुका है. आगे उन्होंने मजाक में कहा मैं देखूंगी, मुझे देखना है, लेकिन अभी शायद आ रहा है ना नेटफ्लिक्स पर.लेकिन, उन्होंने इंटरव्यू में अपनी सारी बातों को समेटते हुए आखिर में कहा, आने वाले सभी बच्चों को शुभकामनाएं और मैं चाहती हूं कि सभी बच्चे अच्छा नाम कमाएं.

राष्ट्रबाण

विदर्भ VISION

।। धर्मो रक्षति रक्षितः।।

तापमान. नागपुर, अधिकतम 32.4°C न्यूनतम 25.1°C

नागपुर, गुरुवार, 28 अगस्त 2025

अमरावती में फ्लाईओवर बंद होने का मुद्दा उठा

युवा कांग्रेस पालकमंत्री से मांगेगी जवाब

राष्ट्रबाण

अमरावती. शहर के यातायात की रीढ़ राजकमल चौक रेलवे फ्लाईओवर पर रविवार आधी रात से सभी यातायात बंद कर दिया गया क्योंकि शहर के यातायात की रीढ़ राजकमल चौक रेलवे फ्लाईओवर बेहद खतरनाक स्थिति में पहुँच गया था. पुलिस ने बैरियर लगाकर पुल को स्थायी रूप से बंद कर दिया. प्रशासन द्वारा बिना किसी पूर्व सूचना के राजकमल चौक स्थित फ्लाईओवर को यातायात के लिए पूरी तरह से बंद करने से शहर की यातायात व्यवस्था बाधित हो गई है. एक ओर गणेशोत्सव की पूर्व संध्या पर नागरिकों को असमंजस में रखा गया है, वहीं दूसरी ओर जनप्रतिनिधि इस बारे में बात करने को तैयार नहीं हैं. युवा कांग्रेस ने 29 अगस्त को कहा है कि वह इस संबंध में पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले से जवाब मांगेगी. जिला प्रशासन ने इसके लिए वैकल्पिक मार्ग सुझाए हैं.

> यह जानकारी समय-समय पर किए गए स्ट्रक्चरल ऑडिट में दी गई थी. इसलिए, अगर उचित उपाय किए गए होते, तो यह समय इतना लंबा नहीं खिंचता. इसलिए, उन्होंने आरोप लगाया कि यह सरकार और प्रशासन की विफलता है, और इसे छिपाने के लिए जनता को बंधक बनाया जा रहा है. युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों ने यह भी मांग की कि पालकमंत्री नए पुल के निर्माण के बारे में स्पष्ट जानकारी प्रदान करें. फ्लाईओवर के काम को अभी तक सरकार द्वारा आधिकारिक रूप से मंजूरी नहीं दी गई है.

लेकिन इस मार्ग से जाते समय हर चौक पर कम से कम आधा घंटा इंतज़ार करना पड़ता है. इससे नागरिक चिंतित हो रहे हैं और हर राजनीतिक दल से जवाब मांग रहे हैं. इस जनाक्रोश को देखते हुए, कांग्रेस के मुन्ना राठौड़ और समीर जवंजाल ने पालकमंत्री पर निशाना साधा.

तेंदुए के हमले में किसान घायल

हिंगना परिसर में दहशत का माहौल

राष्ट्रबाण

बालापुर. शहर से सटे हिंगना परिसर में खेत में काम कर रहे एक किसान पर तेंदुए ने हमला कर दिया. इस हमले में किसान गंभीर रूप से घायल हो गया. घटना के बाद क्षेत्र के किसानों में दहशत निर्माण हो गई है. सुरेश भीकाजी नवकार (68) अपने खेत में तुअर की फसल को खाद डाल रहे थे. इसी दौरान अचानक पीछे से तेंदुए ने उन पर हमला कर दिया. हमले में गंभीर रूप से घायल हुए सुरेश नवकार को तुरंत बालापुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अकोला अस्पताल रेफ़र कर दिया गया. गौरतलब है कि इससे पूर्व भी हिंगना परिसर में एक तेंदुआ शिकारी द्वारा लगाए गए जाल में फँसा था. उस समय वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर उसे जंगल में छोड़ा था. मगर इस बार तेंदुए द्वारा किसान पर हमला किए जाने से ग्रामीणों में दहशत निर्माण हो गई है. किसानों का कहना है कि वन विभाग को तत्काल कदम उठाते हुए तेंदुए को पकड़कर सुरक्षित रूप से जंगल के गहरे हिस्से में छोड़ा जाना चाहिए, ताकि क्षेत्र में फैली दहशत खत्म हो सके.

गोंदिया में भीषण हादसा!

बस-ट्रक की टक्कर में 6 यात्री गंभीर

6 महीने का बच्चा घायल

राष्ट्रबाण

गोंदिया. जिले में आज सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग पर दुर्घटना की एक भयावह घटना देखने को मिली. सड़क अर्जुनी तहसील के चिखली गाँव के पास एक निजी बस और ट्रक के बीच हुई भीषण टक्कर में छह महीने के बच्चे समेत छह यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसा उस समय हुआ जब पुष्पराज ट्रैवल्स की बस हैदराबाद से रायपुर यात्रियों को लेकर जा रही थी. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बस में बड़ी संख्या में मजदूर सवार थे और बस ओवरलोड थी. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चिखली गाँव के पास एक ट्रक को ओवरटेक करते समय बस चालक नियंत्रण खो बैठा और बस ट्रक से टकरा गई. टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह से चकनाचूर हो गया. दुर्घटना के बाद स्थानीय नागरिक मौके पर पहुँचे और बचाव कार्य शुरू किया. डुग्गीपार पुलिस और 108 एम्बुलेंस तुरंत पहुँची. घायलों को सड़क अर्जुनी ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी हालत गंभीर होने के कारण उन्हें आगे के इलाज के लिए गोंदिया के जिला सामान्य अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है.

> इस दुर्घटना के कारण राजमार्ग पर यातायात कुछ देर के लिए ठप हो गया. पुलिस ने दुर्घटना का मामला दर्ज कर आगे की जाँच शुरू कर दी है. कुछ महीने पहले डव्वा गाँव के पास शिवशाही बस की सड़क दुर्घटना और उसमें मारे गए यात्रियों को आज भी अर्जुनी तहसील में भुलाया नहीं गया है, लेकिन इस भीषण दुर्घटना के कारण एक बार फिर यात्री बस सुरक्षा का मुद्दा सामने आ गया है.

फास्ट ट्रैक

ओबीसी समुदाय का विरोध प्रदर्शन

चंद्रपुर. मनोज जरांगे ने मराठा आरक्षण के लिए मुंबई की ओर विरोध मार्च शुरू कर दिया है. हालाँकि, चंद्रपुर में उनके इस कदम का कड़ा विरोध हो रहा है. चंद्रपुर शहर के वरोरा नाका चौक पर ओबीसी समुदाय द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया. इस दौरान ओबीसी नेता अशोक जीवतोड़े के नेतृत्व में मनोज जरांगे के खिलाफ नारेबाजी की गई. अशोक जीवतोड़े ने कहा कि मनोज जरांगे कुछ खास नेताओं के इशारे पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और मुख्यमंत्री पर निशाना साधने के लिए मुंबई गए हैं. मराठा समुदाय को ओबीसी से आरक्षण देने का सवाल ही नहीं उठता.

एसटी बस ने 10 भेड़ों को कुचला

बुलढाणा. बुलढाणा से मलकापुर राज्य राजमार्ग पर एक दुखद दुर्घटना में 10 भेड़ों की मौत हो गई. मोटाला के पास चट्टानी दरार के पास महाराष्ट्र राज्य परिवहन निगम की एक बस ने उन्हें कुचल दिया, जिससे दस भेड़ों की दुखद मौत हो गई. यह दुर्घटना आज, बुधवार, 27 अगस्त को खड़की फाटा के पास हुई. भेड़ें जब सड़क से गुज़र रही थीं, तभी मलकापुर से छत्रपति संभाजीनगर जा रही राज्य परिवहन निगम की एक बस ने उन्हें कुचल दिया. इससे खड़की फाटा पर भेड़ों के सड़ते हुए खून और मांस का भयावह दृश्य दिखाई दिया. इससे घटनास्थल पर आना-जाना बंद हो गया.

अकोला जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव

आरक्षण के लिए अब हलचल हुई तेज

राष्ट्रबाण

अकोला. जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों के लिए वार्ड संरचना की घोषणा के बाद, सरकार आरक्षण की दिशा में आगे बढ़ रही है. आरक्षण के अनुसार अधिसूचना जारी कर दी गई है. सीटें आरक्षित करते समय, सीटें उतरते क्रम में इस प्रकार आरक्षित की जाएँगी कि उस जाति या जनजाति की जनसंख्या सबसे अधिक हो. यदि जनसंख्या मानदंड लागू होता है, तो क्या पिछले चुनावों में आरक्षित सीटें आगामी चुनावों में भी आरक्षित रहेंगी और कितने चुनावों में लागू होंगी? इन सवालों के स्पष्ट उत्तर आरक्षण कार्यक्रम की घोषणा के बाद मिलेंगे. फिलहाल, कई लोग डरे हुए हैं और कुछ के राजनीतिक रूप से विस्थापित होने की संभावना है. अगर ऐसा होता है, तो उनके लिए नया निर्वाचन क्षेत्र तलाशने का समय आ जाएगा. 6 मई को ओबीसी आरक्षण याचिका पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अपना फैसला सुनाए जाने के बाद, जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों का रास्ता साफ हो गया. इसके चलते, सरकारी एजेंसियों द्वारा स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारियाँ की जा रही हैं और पिछले सप्ताह ही वार्ड संरचना को अंतिम रूप से मंजूरी दे दी गई. इसके बाद, अब राजनीतिक आरक्षण के अनुरूप गतिविधियाँ तेज हो गई हैं.

जल्द होगा घोषित

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और महिलाओं के लिए जिप (निर्वाचन प्रभाग) निर्वाचन क्षेत्र, पंस (गण) निर्वाचन क्षेत्र के अनुसार आरक्षित सीटों के निर्धारण के लिए नियम जारी कर दिए गए हैं. अब आरक्षण प्रक्रिया का कार्यक्रम जल्द ही घोषित किया जाएगा. आरक्षण संबंधी अधिसूचना में सीटों के आरक्षण की पद्धति, चक्रानुक्रम को हटाकर नियम बनाए जा रहे हैं. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए सीटें आरक्षित करते समय पद्धति तय की गई है.

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र सीमा पर भारी बारिश

भामरागढ़ तहसील का संपर्क टूटा

राष्ट्रबाण

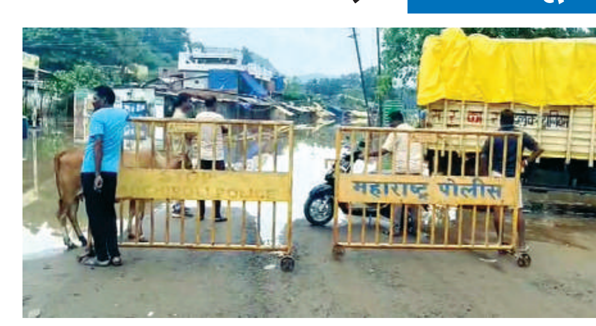

गढ़चिरोली. इंद्रावती नदी के जलग्रहण क्षेत्र में भारी बारिश के कारण भामरागढ़ में पर्लकोटा नदी में बाढ़ आ गई है. मंगलवार रात इंद्रावती नदी के जलग्रहण क्षेत्र में भारी बारिश और छत्तीसगढ़ के पड़ोसी इलाकों में हुई भारी बारिश के कारण इंद्रावती नदी का जलस्तर बढ़ गया है. नतीजतन, भामरागढ़ की पर्लकोटा नदी में बाढ़ आ गई है. बाढ़ की पूर्व चेतावनी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने कल रात ही उचित कदम उठा लिए थे. भामरागड शहर के बाज़ार की सभी दुकानों में रखी सामग्री को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचा दिया गया है, जिससे बड़ा नुकसान टल गया है. इस बाढ़ का यातायात पर गहरा असर पड़ा है. आलापल्ली-भामरागड राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 130-डी भामरागड-परलकोटा का पुल पानी के नीचे होने के कारण हेमलकसा और लाहेरी के बीच यातायात फिलहाल पूरी तरह से बंद है. इससे यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. प्रशासन मौजूदा स्थिति पर नज़र रखे हुए है और राहत कार्य जारी है.

65 वर्षीय किसान पाँच साल से जल संरक्षण विभाग के काट रहे चक्कर

तालाब में डूबी 22 गुंठा ज़मीन, फिर भी नहीं कोई सुनवाई

राष्ट्रबाण

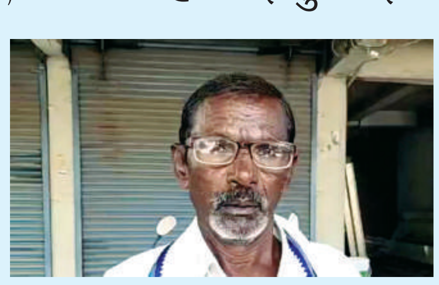

बुलढाणा. बुलढाणा जिले के किन्ही सवडत के 65 वर्षीय किसान प्रकाश धुरंदर पिछले पाँच सालों से तालाब में डूबी अपनी कृषि भूमि का मुआवज़ा पाने के लिए जल संरक्षण विभाग के कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं. उन्हें अभी तक अपनी कृषि भूमि का मुआवज़ा नहीं मिला है. आवेदन करने और कार्यालय के चक्कर लगाने में उनके 50,000 रुपये से ज़्यादा खर्च हो चुके हैं. किसान प्रकाश धुरंदर का वैरागढ़ में एक खेत है और वहाँ एक तालाब का निर्माण कार्य चल रहा है. इस तालाब के प्रभावित क्षेत्र में उनकी 22 गुंठा यानी लगभग 23,958 वर्ग फुट कृषि भूमि नष्ट हो गई है. कुआँ नष्ट हो गया है, सीताफल के पेड़ नष्ट हो गए हैं. जल संरक्षण अधिकारी कभी उनसे 8 गुंठा खेती का पैसा लेने को कहते हैं तो कभी 12 गुंठा खेती का पैसा लेने को कहते हैं. किसान धुरंदर समय-समय पर अपनी पूरी कृषि भूमि का भुगतान करने की माँग करते रहे हैं और उन्हें अधिकारियों से गोलमोल जवाब मिल रहे हैं. इसके अलावा, किसान धुरंदर का कहना है कि जल संरक्षण अधिकारी कभी भी कार्यालय में नहीं रहते. उन्होंने यह सवाल किया अब न्याय किस्से मांगें और मांग की कि कृषि का मुआवजा दिया जाए.

उसे इलाज के लिए सीधे अदालत ले जाया गया है...

ताड़ोबा में 'छोटा मटका' बाघ की तबीयत बिगड़ी

राष्ट्रबाण

नागपुर. ताड़ोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व के बफर जोन में 'छोटा मटका' के नाम से मशहूर बाघ की लगातार बिगड़ती सेहत के बावजूद प्रबंधन की ओर से उसके इलाज के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं. नतीजतन, इस बाघ का चलना-फिरना मुश्किल हो गया है. हाल ही में सोशल मीडिया पर प्रसारित इसके वीडियो फुटेज को देखकर पर्यटक भी चिंतित हैं. करोड़ों रुपये कमाने वाला वन विभाग इस बाघ का इलाज कराने में आनाकानी कर रहा है. 'लोकसत्ता' में एक रिपोर्ट प्रकाशित हुई थी कि ताड़ोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व के बफर जोन में 'छोटा मटका' के नाम से मशहूर बाघ की लगातार बिगड़ती सेहत के बावजूद वन विभाग उसके इलाज के लिए कोई उपाय नहीं कर रहा है. इस मामले का अब खुद हाईकोर्ट ने संज्ञान लिया है. ताडोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व के कोर जोन में प्रसिद्ध बाघ 'मटकासुर' और बाघिन 'छोटी तारा' के गर्भ से 2016 के अंत में 'छोटा मटका' का जन्म हुआ था. उसका एक भाई था जिसका नाम 'ताराचंद' था, जिसकी बिजली गिरने से मृत्यु हो गई थी. 'छोटी तारा' ने उसका पालन-पोषण किया और वह एक बहादुर बाघ बना. उसने ताड़ोबा के कोर क्षेत्र में प्रसिद्ध बाघिन 'माया' को भी चुनौती दी थी और अपने शावकों की रक्षा के लिए 'मटकासुर' द्वारा खदेड़ दिया गया था.

> ताडोबा के बफर ज़ोन में साम्राज्य स्थापित करने वाले इस बाघ का बुद्ध पूर्णिमा के दिन बाघ 'ब्रह्मा' से मुकाबला हुआ. इसमें 'ब्रह्मा' मारा गया, जबकि 'छोटा मटका' लहूलुहान हो गया. उसके पैर में बड़े-बड़े घाव थे और लगातार खून बह रहा था. आरोप है कि प्रबंधन ने उसे नज़रअंदाज़ कर दिया, जबकि उसे चलने में दिक्कत हो रही थी. 'लोकसत्ता' में इस बारे में खबर प्रकाशित होने के बाद उसका प्राथमिक उपचार किया गया. हालाँकि, उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ. अब पैर का घाव और भी गहरा हो गया है और चलना-फिरना मुश्किल हो गया है. वन विभाग हाथ पर हाथ धरे बैठा है और उम्मीद कर रहा है कि बाघ स्वाभाविक रूप से ठीक हो जाएगा. लोकसत्ता में प्रकाशित समाचार के आधार पर, बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर पीठ ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एडवोकेट यश साम्ब्रे को न्यायालय मित्र नियुक्त किया और स्वतः संज्ञान लेते हुए एक याचिका दायर की. इस याचिका पर अगले हफ़्ते सुनवाई होगी. उम्मीद है कि न्यायालय द्वारा संज्ञान लेने के बाद वन विभाग बाघ के इलाज पर ध्यान देगा.

कार्यक्रम वॉलीबॉल, खो-खो, बैडमिंटन, साइकिल रैली का होगा आयोजन

मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस पर मनाया जाएगा खेल दिवस

कल से 31 अगस्त तक होंगी विभिन्न खेल गतिविधिया

राष्ट्रबाण

वर्धा. महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस यानी महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 29-31 अगस्त तक विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है. हॉकी के जादूगर मेजर ध्यान चंद के जन्मदिवस पर सन 2012 से हर वर्ष 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है. स्वस्थ भारत की दिशा में खेल भावना को प्रोत्साहित करने के लिए भारत सरकार ने 2019 में फिट इंडिया कार्यक्रम शुरू किया है. इस वर्ष के खेल दिवस का मुख्य विषय एक घंटा खेल के मैदान में रखा गया है और इसके लिए खेलेगा इंडिया खिलेगा देश शीर्षक का हैशटैग दिया गया है. विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों में खेलों के प्रति लगाव बढ़ाने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय खेल गतिविधियों का आयोजन किया है. इसके अंतर्गत शुक्रवार, 29 अगस्त को प्रातः 08:00 बजे कस्तूरबा सभागार में मेजर ध्यानचंद को अभिवादन किया जाएगा एवं प्रातः 08:15 बजे फिट इंडिया की शपथ दिलायी जाएगी. प्रातः 08:30 बजे बाह्य खेलों के तहत वाचस्पति भवन के प्रांगण में 50 मीटर दौड़, नींबू दौड़, बोरी दौड़, रस्सी कूदना, प्लैंक चैलेंज का आयोजन होगा. पूर्वाह्न 10:00 बजे से वॉलीबॉल एवं खो-खो का आयोजन मेजर ध्यानचंद क्रीड़ा स्थल पर किया जाएगा. शनिवार, 30 अगस्त को प्रातः 08:00 बजे से मदन मोहन मालवीय भवन में बैडमिंटन का आयोजन होगा. रविवार, 31 अगस्त को प्रातः 08:00 बजे संडे ऑन साइकिल उपक्रम के अंतर्गत साइकिल रैली का आयोजन मुख्य प्रवेश द्वार से छत्रपति शिवाजी महाराज प्रवेश द्वार तक किया जाएगा.

> इन आयोजनों को लेकर कर्मचारियों और विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है और समूह व खेल भावना को बढ़ाने के लिए एक स्वस्थ स्पर्धा प्रदर्शित हो रही है. खेल गतिविधियों के सूचारु संचालन के लिए विश्वविद्यालय ने समितियों का गठन भी किया है. इन खेल गतिविधियों में कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने की अपील विश्वविद्यालय की ओर से की गयी है.

मनोज जरांगे पाटिल के विरोध पर नवनीत राणा की प्रतिक्रिया

कहा - जरांगे हिंदू त्योहारों में न डालें खलल, अदालत के आदेश का करें पालन

राष्ट्रबाण

अमरावती. मनोज जरांगे पाटिल मराठा आरक्षण की मांग को लेकर मुंबई जा रहे हैं. पूर्व सांसद नवनीत राणा ने इस पर प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि हिंदू त्योहारों में खलल नहीं पड़ना चाहिए और जारंगे को अदालत के आदेश का पालन करना चाहिए. सभी को अदालत पर भरोसा है. नवनीत राणा ने कहा कि सभी को अदालत का कहना मानना चाहिए. यह एक हिंदू त्योहार है. महाराष्ट्र में इसे बड़े उत्साह से मनाया जाता है और देश भर से लोग लालबाग के राजा के दर्शन के लिए मुंबई आते हैं. यहाँ बहुत उत्साह होता है. इसलिए, वे बीच के ग्यारह दिन छोड़कर उस माँग को वापस सड़क पर ला सकते हैं. मुझे लगता है कि ग्यारह दिन हमारा त्योहार है. इसे किसी भी तरह से बाधित नहीं किया जाना चाहिए. नवनीत राणा ने मनोज जरांगे पाटिल को सलाह दी कि आप ग्यारह दिन बाद कोई माँग रख सकते हैं. नवनीत राणा ने कहा कि कौन हिंदुत्व समर्थक है, यह कोई तय नहीं कर सकता. उन्होंने कहा कि हिंदू त्योहार में कोई व्यवधान नहीं आना चाहिए.

राष्ट्रबाण
नागपुर VISION
।। धर्मो रक्षति रक्षितः ।।

तापमान. नागपुर, अधिकतम 32.4°C न्यूनतम 25.1°C

नागपुर, मंगलवार, 26 अगस्त 2025

हर जगह गणेशोत्सव की धूम, चरम पर भक्तों का उत्साह

नागपुर में बप्पा का भव्य आगमन

राष्ट्रबाण

नागपुर. आज गणेश चतुर्थी का उत्साह हर जगह दिखाई दे रहा है. महाराष्ट्र में हर जगह भी यह त्यौहार एक अलग ही रंग में नजर आता है. हर कोई इस दस दिवसीय पावन उत्सव का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा था. आज गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर नागपुर में बप्पा के आगमन की तैयारियाँ जोरों पर हैं. हर वर्धावासी के चेहरे पर खुशी की लहर है. कोई अपने प्रिय बप्पा को हाथों में उठा रहा है, कोई उन्हें सिर पर बिठाकर ले जा रहा है, तो कोई उन्हें साइकिल पर ला रहा है. कहीं ढोल-नगाड़ों और झाँझ-मंजीरों की ध्वनि के साथ बप्पा को घर लाया जा रहा है. शहर में बप्पा के अनेक रूप देखने को मिले. साथ ही, प्रशासन ने अपील की है कि पर्यावरण को नुकसान न हो, इसके लिए केवल मिट्टी के गणपति ही खरीदें और पर्यावरण के अनुकूल हनेश मूर्ति ही खरीदें. शहर के बाज़ार भी बप्पा के स्वागत के लिए खूब सजे हैं. सजावटी सामान, पूजा सामग्री और फलों की दुकानें खचाखच भरी हैं. लोगों में इस दस दिवसीय उत्सव को लेकर ज़बरदस्त उत्साह है. उनकी खुशी आज सचमुच खिल उठी है. हमने इस उत्साह और तैयारी को करीब से देखा है.

नागपुर पुलिस ने ऑपरेशन शक्ति के तहत शुरू की

AI आधारित नई पहल

डिजिटल तस्करी की होगी पहचान

राष्ट्रबाण

नागपुर. नागपुर पुलिस ने मानव तस्करी के खिलाफ अपनी लड़ाई को और मजबूत करने के लिए उन्नत तकनीक आधारित दो नए उपकरण शुरू किए हैं. ऑपरेशन शक्ति के तहत लॉन्च किए गए इन टूल्स में गरुड़ दृष्टि और फेशियल रिकग्निशन सर्विलांस सिस्टम शामिल हैं. गरुड़ दृष्टि, जिसे हाल ही में मुख्यमंत्री ने लॉन्च किया था, अब ऑनलाइन और डिजिटल तस्करी की पहचान करने की क्षमता से लैस है. यह एआई सॉफ्टवेयर फेसबुक, इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फर्जी नौकरी, एस्कॉर्ट सेवाओं और भ्रामक विज्ञापनों की निगरानी करेगा. साथ ही, शहर के संवेदनशील स्थानों पर लगाए गए फेशियल रिकग्निशन कैमरे लापता महिलाओं व बच्चों की पहचान करने और अपराधियों पर नज़र रखने में मदद करेंगे. पुलिस को तुरंत अलर्ट मिलने से त्वरित कार्रवाई संभव होगी. ऑपरेशन

लापता महिलाओं व बच्चों की पहचान करने और अपराधियों पर नज़र रखने में करेंगे मदद

शक्ति के जरिए स्मार्ट पुलिसिंग में उन्नत तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे अपराधियों पर तेजी से कार्रवाई की जा सकेगी जिसे सुरक्षित नागपुर की दिशा में अहम कदम बताया. अधिकारियों के अनुसार, यह पहल नागपुर को स्मार्ट सिटी के साथ-साथ सुरक्षित सिटी बनाने की दिशा में भी बड़ा कदम है.

फास्ट ट्रैक

व्यक्ति पर जानलेवा हमला, इलाज के दौरान मौत

नागपुर. पारशिवनी थाना अंतर्गत स्थित सरोदी टोली निवासी 42 वर्षीय एक व्यक्ति पर खेती के विवाद के चलते जानलेवा हमला किया गया. उपचार के दौरान व्यक्ति की मौत हो गई, जिसमें पारशिवनी पुलिस ने हथियार सहित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. मृतक लालु एकनाथ का लालू भोयर से खेती नाली को लेकर काफी दिनों से विवाद चल रहा था. इसी क्रम में आरोपी लालु भोयर ने मंगलवार शाम लगभग 5 बजे के लगभग मृतक की दोपहिया को अपनी कार से जोरदार टक्कर मारी, उसके बाद तलवार से ग्रामीण रूग्नालय पारशिवनी के सामने जानलेवा हमला कर दिया.

किसान के बेटे को हार्वर्ड में प्रवेश!

नागपुर. बुलढाणा जिले के एक छोटे से गाँव चिखला में एक किसान परिवार में जन्मे और पले-बढ़े एकनाथ वाघ को 'लोक नीति' की पढ़ाई के लिए विश्व प्रसिद्ध हार्वर्ड विश्वविद्यालय में प्रवेश मिल गया है. उनका यह सफ़र आसान नहीं, बल्कि संघर्ष, लगन और निरंतर परिश्रम की एक अनूठी कहानी है. एकनाथ की शिक्षा का सफ़र ज़िला परिषद स्कूल से शुरू हुआ. वहाँ से उन्हें नवोदय विद्यालय में प्रवेश मिला. बचपन से ही सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ने उनके ज्ञान की नींव रखी. बाद में, वे उच्च शिक्षा के लिए पुणे आ गए.

29 अगस्त तक नागपुर सहित पूर्वी विदर्भ में होगी जोरदार बारिश

मौसम विभाग ने चेतावनी की जारी

राष्ट्रबाण

नागपुर. कुछ दिनों के ठहराव के बाद नागपुर सहित पूरे विदर्भ में एक बार फिर मानसून सक्रिय हो गया है. मौसम विभाग ने 27 से 29 अगस्त के बीच पूर्वी विदर्भ में मध्यम से तेज बारिश की संभावना जताई है. नागपुर के कई इलाकों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है. वहीं, पश्चिम विदर्भ में अकोला जिले में भी बारिश होने का अनुमान व्यक्त किया गया है. मौसम विभाग के वैज्ञानिकों के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बने निम्न-दबाव क्षेत्र और उससे जुड़ी हुई ट्रफ रेखा विदर्भ तक नमी ला रही है. इसी वजह से मानसून की सक्रियता दोबारा बढ़ी है. ट्रफ के कारण अरब सागर और खाड़ी दोनों ओर से नमी मध्य भारत में पहुंच रही है, जिसके चलते विदर्भ में बारिश का दौर जारी है. नतीजतन, भामरागढ़ की पर्लकोटा नदी में बाढ़ आ गई है. बाढ़ की पूर्व चेतावनी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने कल रात ही उचित कदम उठा लिए थे. भामरागड शहर के बाज़ार की सभी दुकानों में रखी सामग्री को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचा दिया गया है, जिससे बड़ा नुकसान टल गया है. इस बाढ़ का यातायात पर गहरा असर पड़ा है. आलापल्ली-भामरागड राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 130-डी भामरागड-परलकोटा का पुल पानी के नीचे होने के कारण हेमलकसा और लाहेरी के बीच यातायात फिलहाल पूरी तरह से बंद है. इससे यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. प्रशासन मौजूदा स्थिति पर नज़र रखे हुए है और राहत कार्य जारी है.

कलमेश्वर तहसील के मालासावंगी इलाके में बड़ा हादसा

खेत में काम कर रहे लोगों पर गिरी बिजली

माँ-बेटे सहित 3 की मौत

राष्ट्रबाण

नागपुर. कलमेश्वर तहसील के धापेवाड़ा क्षेत्र के मालासावंगी इलाके में आज दोपहर बड़ा हादसा हो गया. जहां खेत में काम करते लोगों पर अचानक बिजली गिर गई. इस हादसे में माँ-बेटे सहित तीन लोगों की मौत हो गई. मृतकों की पहचान किसान वंदना प्रकाश पाटिल (उम्र 40), ओम प्रकाश पाटिल (उम्र 18) और मजदूर निर्मला रामचंद्र पराते खेत में काम कर रहे थे. इस दौरान तेज बारिश के साथ बिजली गिरी. इसके चपेट में तीनो आ गए. इस हादसे में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई. घटना की जनकारी मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया. खेत पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई. तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी है. पुलिस मौके पर पहुंची और जाँच शुरू कर दी. ज्ञात हो कि, बुधवार को नागपुर जिले के विभिन्न हिस्सों में जोरदार बारिश हुई है. वहीं मौसम विभाग ने भी आने वाले तीन दिनों में माध्यम के साथ तेज बारिश का अनुमान जताया है.

अब बिना जाली के पालतू कुत्तों को घुमाना मना

नागपुर पुलिस का सख्त आदेश

राष्ट्रबाण

नागपुर. पुलिस ने पालतू कुत्तों को घर से बाहर ले जाते समय नए नियम लागू किए हैं. अब मालिकों को अपने कुत्तों के मुंह पर जाली लगाना अनिवार्य होगा. इसके साथ ही कुत्ते की गर्दन में बंधे पट्टे पर मालिक का नाम और पता लिखना भी जरूरी किया गया है. पुलिस आयुक्त डॉ. रविंद्र कुमार सिंगल ने आदेश जारी करते हुए स्पष्ट किया कि यदि कोई पालतू कुत्ता सार्वजनिक स्थान पर बिना जाली के पाया गया, तो उसे आवारा कुत्ता मानकर कार्रवाई की जाएगी. कई बार देखा गया है कि कुत्तों के मालिक उन्हें घर के दरवाज़े के बाहर ही खुला छोड़ देते हैं, जिससे नागरिकों को परेशानी होती है. इसके अलावा, सार्वजनिक जगहों और सड़कों पर कुत्तों को खाना खिलाना भी प्रतिबंधित किया गया है. ऐसा करते पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी. यदि किसी पालतू कुत्ते से उपद्रव होता है या बिना जाली का कुत्ता दिखाई देता है, तो नागरिक आपातकालीन नंबर 112 पर संपर्क कर सकते हैं.

गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए किए व्यापक प्रबंध

शहर में 216 स्थानों पर 419 कृत्रिम तालाबों की व्यवस्था

राष्ट्रबाण

नागपुर. आज गणेश जी का आगमन हर जगह बड़े उत्साह के साथ हुआ है. नागपुर नगर निगम ने शहरवासियों के लिए श्री गणेश स्थापना से लेकर प्रतिमा विसर्जन तक विभिन्न सुविधाएँ उपलब्ध कराई हैं. पर्यावरण-अनुकूल गणेशोत्सव की तैयारी नगर निगम द्वारा पूरी कर ली गई है और शहर में विभिन्न स्थानों पर गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं. मनपा आयुक्त एवं प्रशासक डॉ. अभिजीत चौधरी के निर्देशानुसार, अपर आयुक्त श्रीमती वसुमना पंत, श्रीमती वैष्णवी बी. और अपर आयुक्त श्री अजय चरथांकर के मार्गदर्शन में, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग के माध्यम से श्री गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए शहर में 216 स्थानों पर 419 कृत्रिम तालाबों की व्यवस्था की गई है. उल्लेखनीय है कि

इसके अलावा, तीन दिवसीय मूर्ति विसर्जन के लिए 37 कृत्रिम तालाबों की व्यवस्था की गई है. इनमें से लक्ष्मी नगर जोन में 3 स्थानों पर, धरमपेठ जोन में 7 स्थानों पर, हनुमान नगर जोन में 5 स्थानों पर तथा धंतोली जोन, नेहरू नगर जोन और सतरंजीपुरा जोन में एक-एक स्थान पर कुल 18 स्थानों पर 37 कृत्रिम झीलों की व्यवस्था की गई है.

इस वर्ष गोरेवाड़ा, कोराडी, कच्छीवीसा में बड़ी गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए सुविधाएँ प्रदान की गई हैं. सोनेगांव, गांधीबाग तालाब क्षेत्र सहित शहर के विभिन्न स्थानों पर 419 कृत्रिम तालाबों की व्यवस्था की गई है. मनपा आयुक्त डॉ. अभिजीत चौधरी ने नागरिकों से पर्यावरण-अनुकूल गणेश उत्सव मनाते हुए कृत्रिम विसर्जन तालाबों में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन करने की अपील की है. मनपा ने डेढ़ दिवसीय गणेश विसर्जन के लिए विभिन्न स्थानों पर 34 कृत्रिम तालाबों की व्यवस्था की है. इनमें से लक्ष्मी नगर जोन में 3 स्थानों पर, धरमपेठ जोन में 7 स्थानों पर, हनुमान नगर जोन में 2 स्थानों पर और धंतोली जोन, नेहरू नगर जोन और सतरंजीपुरा जोन में एक-एक स्थान पर कुल 15 स्थानों पर 34 कृत्रिम तालाबों की व्यवस्था की गई है. श्री की पाँच दिवसीय मूर्ति विसर्जन के लिए 66 कृत्रिम झीलों की व्यवस्था की गई है. इसमें लक्ष्मी नगर जोन में 3, धरमपेठ जोन में 13, हनुमान नगर जोन में 5 तथा धंतोली जोन, नेहरू नगर जोन, सतरंजीपुरा जोन और आशी नगर जोन में 1-1 कृत्रिम झील शामिल है.

आयोजन चौपाल उपक्रम के अंतर्गत सेवा परमो धर्म कार्यक्रम

प्रकृति व मानव सेवा में अहम का कोई स्थान नहीं : देहाडराय

राष्ट्रबाण

नागपुर. विदर्भ हिंदी साहित्य सम्मेलन, हिंदी मोर भवन सीताबर्डी नागपुर में संयोजक विजय कुमार तिवारी व सहसंयोजक हेमंत कुमार पांडे के नेतृत्व में 25 अगस्त को चौपाल उपक्रम के अंतर्गत सेवा परमो धर्म इस शीर्षक के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किया गया. नारायण शक्ति फाउंडेशन की अध्यक्षा, प्रेमलता तिवारी ने सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति के साथ चर्चा सत्र का आरंभ किया.इस कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने अपने जीवन के अनुभव, उदाहरण व प्रसंग के माध्यम से चर्चा में भाग लिया.

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, नंदकिशोर चौधरी रिटायर्ड मैकेनिकल इंजीनियर जे एस डब्ल्यू प्राइवेट लिमिटेड, कलमेश्वर नागपुर व वरिष्ठ समाज सेवक व विशेष अतिथि मीनल देहाडराय, डायरेक्टर, एक्वाडस स्ट्रक्चरल कंसल्टेंट्स, प्राइवेट लिमिटेड उपस्थित थे. कार्यक्रम के आरंभ संयोजक विजय तिवारी ने कार्यक्रम का उद्देश्य व प्रस्तावना दी. डॉ प्रेमलता तिवारी, प्रकाश गुरुवे, कृष्ण कुमार द्विवेदी, ने सम्मान चिन्ह देकर अतिथियों का स्वागत किया. तत्पश्चात संयोजक ने कार्यक्रम की भूमिका पर बात कर सभी श्रोताओं का स्वागत किया. डॉ सौरभ शुक्ला ने अपने 20 वर्ष के समाज सेवा के अनुभव व उनके परिणाम और भविष्य में समाज सेवा की व्यापकता, उपयोगिता, व समाज सेवा किस प्रकार से राष्ट्र उन्नति के द्योतक हो सकती है, यह उन्होंने अपने व्यक्तव्य में बताया. साथ ही जिस सामाजिक सेवा संस्था के माध्यम से वे सेवा कार्य में निरंतर लगे रहते हैं, उसका विस्तार में विवरण दिया. धीरज दुबे ने अपने संक्षिप्त व्यक्तव्य में धर्म के अनुसार समाज सेवा के अनेक उदाहरण देकर, सभी मानव जाति को समाज सेवा में अपना योगदान देने की अपील की. एडवोकेट जगत बाजपेई ने अपनी विशेष शैली में भारतीय इतिहास में प्रथम समाज सेवा से राष्ट्र का उत्थान प्रसंग पर प्रकाश डालते हुए, आर्य चाणक्य से लेकर वर्तमान समय में जिन्होंने व्यापक तौर पर राष्ट्रीय स्तर पर समाज सेवा करके राष्ट्र में व्यापक परिवर्तन लाया, उसके बारे में ऐतिहासिक उदाहरण देकर विस्तार से बताया. सुभाष चंद्र उपाध्याय ने अपने विशेष व्यंग्यात्मक शैली में अनेक राजनीतिक उदाहरण देकर लोगों को बहुत हंसाया व माहौल को खुशनुमा बनाया. शत्रुघ्न तिवारी ने अपने दैनिक जीवन में जो भी अवसर उन्हें मिलता है, उसका भी पुरा लाभ उठाते हुए समाज सेवा में लगे रहते हैं, उसके उन्होंने अनेक उदाहरण प्रस्तुत किए.

मुख्य अतिथि नंदकिशोर चौधरी ने बताया की मानव सेवा का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए, कुछ बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने बताया की समाज के जिन लोगों का जीवन स्तर निम्न दर्जे का हो, उनके लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, वस्त्र, औषधि, अन्ना व निवार पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराना व उन्हें कार्य दक्ष बनाकर स्वावलंबी बनाना, इस दिशा में कार्य करना चाहिए. साथ ही वर्तमान में समाज के गरीब बच्चों के लिए जो संस्थाएं निशुल्क तांत्रिक, व्यवसायिक शिक्षा व प्रशिक्षण व सेवा का अवसर उपलब्ध करके देती है उनके बारे में विस्तार से बताया. कार्यक्रम के अंत में डॉ कृष्ण कुमार द्विवेदी ने आभार प्रदर्शन किया. कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉक्टर बच्चू पांडे, वैभव शर्मा, धीरज हरिशंकर दुबे, सौरभ शुक्ला, प्रवीण तिवारी, रमेश मौदेकर, विजय सिंह, आर पी शुक्ला, सौरभ झा,लालजी दुबे, मालिया पांडे, लक्ष्मीनारायण केसकर, सचिन शुक्ला, हरविंदर सिंह गांधी व अन्य उपस्थित श्रोताओं ने अपना अमूल्य योगदान दिया.

राजू केंद्र ने ब्रिटिश काउंसिल का 'ग्लोबल एलुमनाई अवार्ड' जीता

सूची में शामिल होने वाले एकमात्र भारतीय

राष्ट्रबाण

नागपुर. ब्रिटिश काउंसिल ने ग्लोबल स्टडी यूके एलुम्नाई अवार्ड्स 2025 के विजेताओं की घोषणा कर दी है. ये पुरस्कार ब्रिटेन में अध्ययन करने वाले अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की उत्कृष्ट उपलब्धियों को मान्यता देते हैं. ये उन लोगों को सम्मानित करते हैं जिन्होंने हमारे समाज में सकारात्मक बदलाव लाया है और भावी पीढ़ियों को प्रेरित किया है. यह इन पुरस्कारों का 11वाँ वर्ष है और इसके लिए 130 से अधिक ब्रिटिश विश्वविद्यालयों के 1,300 पूर्व छात्रों ने आवेदन किया था.

2025 में, फ्रांस, भारत, नाइजीरिया, पाकिस्तान, तुर्की और संयुक्त राज्य अमेरिका सहित 23 देशों में राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार समारोह आयोजित किए गए. इन वैश्विक विजेताओं में एकलव्य इंडिया फाउंडेशन और एसओएस के संस्थापक और लंदन विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र राजू केंद्र भी शामिल हैं. उन्हें यह पुरस्कार सामाजिक कार्य श्रेणी में मिला और वे इस सूची में शामिल एकमात्र भारतीय हैं. वैश्विक पुरस्कार समारोह मई 2026 में ब्रिटिश काउंसिल के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित किया जाएगा.

इस सम्मान के बारे में क्या कहा?

वर्ष 2021-22 मेरे लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ. लंदन विश्वविद्यालय के एसओएएस में अध्ययन और शेवनिंग छात्रवृत्ति प्राप्त करने ने मेरी व्यक्तिगत यात्रा के साथ-साथ एकलव्य इंडिया फाउंडेशन के कार्यों में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया. उच्च शिक्षा का लोकतंत्रीकरण करने और वंचित समुदायों के छात्रों को नेतृत्व के अवसर प्रदान करने के लिए अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है. हमारा लक्ष्य है कि वंचित पृष्ठभूमि के छात्र न केवल उच्च शिक्षा प्राप्त करें, बल्कि भविष्य में नीति-निर्माता और निर्णयकर्ता के रूप में भी उभरें.

19 गेंद, 10 छक्के...

वैभव सूर्यवंशी से खिताब छीनने वाले ने T20 में ठोका हाहाकारी शतक

नई दिल्ली. क्रिकेट का यही रोमांच है. आप जहां सोचते हैं कि इससे बढ़कर कुछ नहीं, वहीं अगले पल, अगले मैच में कुछ ऐसा हो जाता है, जिसके बारे में आप सोच भी नहीं होते. एक ऐसा ही धमाका UP T20 League 2025 में उस बल्लेबाज के बल्ले से देखने को मिला है, जिसने आमने-सामने की टक्कर में वैभव सूर्यवंशी को मात दी है. उनसे खिताब छिना है. हम बात कर रहे हैं 20 साल के बल्लेबाज आदर्श सिंह की, जिन्होंने यूपी T20 लीग में 26 अगस्त को खेले मुकाबले में हाहाकारी शतक ठोका है. आदर्श सिंह ने टुक-टुक बल्लेबाजी करते-करते मैच में अचानक से ऐसा गियर बदला कि देखने वालों की आंखें फटी की फटी रह गई. और, जो किसी से नहीं हारी थी, उस टीम को लीग के मौजूदा सीजन में पहली बार हार का मुंह देखना पड़ा.यूपी T20 लीग में 26 अगस्त को कानपुर सुपरस्टार्स और काशी रुद्रास के बीच सीजन का 19वां मैच खेला जा रहा था. इस मैच में कानपुर सुपरस्टार्स पहले बल्लेबाजी करने उतरी. बाएं हाथ के बल्लेबाज आदर्श सिंह भी इसी टीम का हिस्सा थे, जिनके कदम क्रीज पर ओपनिंग जोड़ी के टूटने के बाद पड़े. शुरू-शुरू में तो आदर्श सिंह की धीमी बल्लेबाजी देखकर कहीं से भी ऐसा नहीं लग रहा था कि वो कोई वैसा धमाका भी करेंगे, जो हमें बाद में देखने को मिला. 16 ओवर तक 35 गेंदों का सामना करने के बाद वो सिर्फ 38 रन ही बना सके थे, जिसमें 2 छक्के शामिल थे. लेकिन, डेथ ओवर्स का खेल शुरू होते ही आदर्श सिंह के बल्ले का मिजाज पूरी तरह बदल गया.

आदर्श सिंह की विस्फोटक पारी की बदौलत कानपुर सुपरस्टार्स ने 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 198 रन बनाए. जवाब में 199 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी काशी रुद्रास की टीम का वो हश्र हुआ, जिसके बारे में उसने सोचा भी नहीं होगा. काशी रुद्रास की पूरी टीम 15 ओवर में सिर्फ 70 रन पर लुढ़क गई और 128 रन से मुकाबला हार गई. यूपी T20 लीग 2025 में ये काशी रुद्रास की पहले 7 मैचों में मिली पहली हार है.

इससे पहले उसने 6 में से 6 मैच जीते थे और लीग की इकलौती ऐसी टीम थी, जो हारी नहीं थी. वैसे यूपी T20 लीग 2025 में काशी रुद्रास की लगातार जीत के सिलसिले को तोड़ने वाले आदर्श सिंह, वैभव सूर्यवंशी के खिलाफ भी जीत दर्ज कर चुके हैं. दो साल पहले यानी साल 2023 में 4 टीमों के बीच खेले एक टूर्नामेंट के फाइनल में उन्होंने वैभव सूर्यवंशी की टीम को हराया था. उस टूर्नामेंट में इंग्लैंड अंडर 19, बांग्लादेश अंडर 19 टीम के अलावा भारत की अंडर 19 ए और अंडर 19 बी टीम ने हिस्सा लिया था. आदर्श सिंह उस टूर्नामेंट में इंडिया अंडर 19 ए टीम का हिस्सा थे, जिसने फाइनल में वैभव सूर्यवंशी वाली इंडिया अंडर 19 बी टीम को हराकर खिताब पर कब्जा किया था.

35 गेंदों के बाद शुरू हुआ असली तांडव, 19 गेंदों में लगाए 10 छक्के

जिस आदर्श सिंह ने 35 गेंदों में सिर्फ 38 रन बनाए थे, उन्होंने डेथ ओवर्स में खेली अगली 19 गेंदों में 75 रन बनाए. इस दौरान उन्होंने 15वीं गेंद पर छक्के के साथ अपना T20 शतक पूरा किया. ये शतक उन्होंने काशी रुद्रास के स्टार गेंदबाज अटल बिहारी के नो बॉल पर लगाया था. पहली 35 गेंदों में सिर्फ 2 छक्के लगाने वाले आदर्श सिंह ने अगली 19 गेंदों में 10 छक्के लगाए.

54 गेंदों में 113* रन, 10 छक्के सिर्फ डेथ ओवर्स में मारे

20 साल के आदर्श सिंह ने काशी रुद्रास के खिलाफ कुल 54 गेंदों का सामना कर 209.26 की स्ट्राइक रेट से नाबाद 113 रन बनाए. इस दौरान उन्होंने अपना शतक 51वीं गेंद पर पूरा किया. आदर्श सिंह ने अपनी हाहाकारी पारी में 12 छक्के लगाए, जिसमें से 10 छक्के उन्होंने सिर्फ डेथ ओवर्स में मारे.

99 रन पर नॉट आउट रह गया टीम इंडिया का ये बल्लेबाज, टीम के लिए कर दिया शतक कुर्बान

नई दिल्ली. महाराजा ट्रॉफी T20 2025 के क्वालिफायर-1 में हबली टाइगर्स के कप्तान देवदत्त पडिक्कल ने मंगलौर ड्रैगन्स के खिलाफ एक कप्तानी पारी खेली. खास बात ये रही कि देवदत्त पडिक्कल इस मुकाबले में ओपनिंग करने उतरे थे और पूरे 20 ओवर तक क्रीज पर टिके रहे. इस दौरान उन्होंने चौकों-छक्कों की बारिश कर दी. लेकिन वह शतक से एक रन दूर रह गए. देवदत्त पडिक्कल ने इस पारी के दौरान ऐसा कुछ किया, जिसने सभी का दिल जीत लिया. मंगलौर ड्रैगन्स के खिलाफ इस महत्वपूर्ण मुकाबले में पडिक्कल ने नाबाद 99 रनों की नाबाद पारी खेली, लेकिन शतक से चूक गए. इस पारी के दौरान देवदत्त पडिक्कल ने 154.69 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 10 चौके और 5 छक्के जड़े. उनके पास इस पारी के दौरान शतक पूरा करने का बड़ा मौका था. लेकिन उन्हें टीम के लिए शतक कुर्बान कर दिया. दरअसल, पडिक्कल को शतक पूरा करने के लिए पारी की आखिरी 2 गेंदों पर 2 रनों की जरूरत थी. लेकिन उन्हें 1 रन लेकर दूसरे छोर पर जाना सही समझा. जिसके चलते उनके साथी बल्लेबाज मन्वंत कुमार एल ने पारी की आखिरी गेंद पर छक्का जड़ा और टीम के स्कोर को 210 रन तक पहुंचा दिया. देवदत्त पडिक्कल इस टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में हैं. वह महाराजा ट्रॉफी 2025 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं, और उनका स्ट्राइक रेट भी 155 के पार रहा है. बता दें, पडिक्कल इस लीग के सबसे महंगे खिलाड़ी भी हैं. उन्हें हुबली टाइगर्स ने 13.20 लाख रुपए की रिकॉर्ड बोली के साथ अपनी टीम में शामिल किया था. इस ऑक्शन में वह सबसे ज्यादा डिमांड में रहे थे. इस साल वह आईपीएल में चैंपियन टीम आरसीबी का हिस्सा भी थे.

टीम इंडिया के लिए खेले हैं 4 मैच

देवदत्त पडिक्कल टीम इंडिया के लिए अभी तक 2 टेस्ट और 2 टी20 मैच खेल चुके हैं. टेस्ट में उन्होंने 1 अर्धशतक की मदद से 90 रन बनाए हैं. वहीं, टी20 में वह 38 रन बना चुके हैं. हालांकि, उन्होंने टी20 इंडिया के लिए अपना आखिरी टी20 मैच साल 2021 में खेला था. वहीं, उन्होंने आखिरी टेस्ट पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेला था.

पाकिस्तान के 17 क्रिकेटर, इंटरनेशनल क्रिकेट से ऐसे हुए लापता, जैसे कभी थे ही नहीं!

नई दिल्ली.पाकिस्तान ने एशिया कप 2025 के लिए 17 खिलाड़ियों के नामों की घोषणा की है. लेकिन, हम यहां उनकी बात नहीं कर रहे. हम बात कर रहे हैं पाकिस्तानी टीम से लापता हुए 17 क्रिकेटरों की. यहां लापता होने से मतलब उन क्रिकेटरों के गुमनामी में खो जाने से है. क्रिकेट में वो सभी आए तो थे छाने के इरादे से, मगर उनका सूरज ऐसे डूबा कि फिर उनकी खबर तक नहीं आई. सीधी भाषा में कहें तो इंटरनेशनल क्रिकेट से वो सभी खिलाड़ी ऐसे गायब हो गए, जैसे कभी थे ही नहीं.

पाकिस्तान के वो 17 क्रिकेटर कौन? : अब सवाल है कि पाकिस्तान के वो 17 क्रिकेटर कौन हैं, जो क्रिकेट से मानों गायब ही हो चुके हैं. उन खिलाड़ियों में सबसे पहला नाम है अब्दुर रऊफ का. अब 46 साल के हो चुके इस खिलाड़ी ने पाकिस्तान के लिए वनडे और T20 डेब्यू साल 2008 में और टेस्ट डेब्यू साल 2009 में किया था. मगर सिर्फ 3 टेस्ट, 4 वनडे और इकलौता T20 इंटरनेशनल मैच खेलने के बाद वो गायब ही हो गए. पाक टीम में दोबारा उनकी वापसी कभी नहीं हुई.

अकमल भाइयों में से एक हैं अदनान अकमल. आपने उमर अकमल और कामरान अकमल के बारे में तो खूब सुना है. लेकिन, उनके एक और भाई अदनान अकमल के बारे में नहीं के बराबर ही जानते होंगे. अपने बाकी दो भाइयों की तरह अदनान ने भी पाकिस्तान के लिए क्रिकेट खेला. उन्होंने 2010 में डेब्यू किया था. मगर 2014 में पाकिस्तान टीम से बाहर होने के बाद वो अब कहां हैं, किसी को पता नहीं. वहीं कामरान और उमर सुर्खियों में बने रहते हैं.असद अली याद हैं आपको. पाकिस्तान के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज. इस खिलाड़ी का इंटरनेशनल करियर सिर्फ 4 महीनों में ही गुमनामी में खो गया. उन्होंने वनडे-T20 मिलाकर बस 6 मैच खेले. अवैस जिया की एंट्री पाकिस्तान की टीम में बाएं हाथ के ओपनर के तौर पर हुई थी. मगर सिर्फ 5 T20 मैच खेलने के बाद वो फिर कभी पाकिस्तान के लिए खेलते नहीं दिखे.

हैट्रिक झटकी, 5 बल्लेबाज किए ढेर

डेब्यू मैच में ही इस खिलाड़ी ने सैमसन की टीम को हराया

नई दिल्ली. केरल क्रिकेट लीग (केसीएल) 2025 के 11वें मैच में थ्रिसूर टाइटंस और कोच्चि ब्लू टाइगर्स के बीच एक रोमांचक टक्कर देखने को मिली. थ्रिसूर टाइटंस ने आखिरी गेंद पर 5 विकेट से बाजी मारी. इस मुकाबले में थ्रिसूर टाइटंस की जीत के हीरो अजिनास के रहे. ये अजिनास के का डेब्यू मैच था और वह अपने पहले ही मुकाबले में टीम को दमदार जीत दिलाने में कामयाब रहे. कोच्चि ब्लू टाइगर्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में उन्होंने न केवल सीजन की पहली हैट्रिक हासिल की, बल्कि 5 विकेट लेकर धमाल मचा दिया.

मैच में कोच्चि ब्लू टाइगर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए एक मजबूत शुरुआत की थी, जिसमें संजू सैमसन की 89 रनों की तूफानी पारी शामिल थी. हालांकि, अजिनास ने अपनी शानदार गेंदबाजी से खेल का रुख पलट दिया. उन्होंने अपने स्पेल में कोच्चि के बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया और 18वें ओवर में हैट्रिक पूरी की. अजिनास ने लगातार तीन गेंदों पर तीन विकेट चटकाए, जिसमें संजू सैमसन जेरिन पीएस और मोहम्मद आशिक जैसे बल्लेबाज शामिल रहे. इस हैट्रिक से पहले उन्होंने दो और विकेट लिए, जिससे उनका कुल आंकड़ा 5 विकेट तक पहुंच गया. उनकी इस घातक गेंदबाजी ने कोच्चि को 188 रनों पर रोक दिया.

बता दें, थ्रिसूर टाइटंस इस मुकाबले में अजिनास के को सबसे आखिरी में गेंदबाजी दी थी. अजिनास ने अपने 4 ओवर के स्पेल में सिर्फ 30 रन ही खर्च किए. उन्होंने 7.50 की इकॉनमी से रन दिए, जो इस दमदार बल्लेबाजी के आगे काफी कम है. वह इस मुकाबले में पूरे 4 ओवर फेंकने वाले गेंदबाजों में सबसे किफायती रहे.

रोहित शर्मा और केएल राहुल इस दिन देंगे यो-यो टेस्ट

विराट कोहली को लेकर आई बड़ी अपडेट

नई दिल्ली. चैंपियंस ट्रॉफी-2025 का खिताब जीतने के बाद से दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर हैं. T20I और टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट के बाद वो केवल वनडे क्रिकेट में ही खेलते हुए नजर आएंगे. इस दौरान बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज रद्द होने के बाद इन दोनों खिलाड़ियों का इंतजार बढ़ता ही जा रहा है. अब ये दोनों खिलाड़ी 19 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाली वनडे सीरीज में खेलते हुए नजर आ सकते हैं. इसके लिए इन दोनों खिलाड़ियों को अपनी फिटनेस साबित करनी होगी. इसके लिए इन्हें यो-यो टेस्ट से गुजरना होगा. टीम इंडिया के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा और केएल राहुल तो इसी हफ्ते यो-यो टेस्ट देंगे, लेकिन विराट कोहली को लेकर कोई खबर सामने नहीं आई है.

रोहित शर्मा इस दिन देंगे यो-यो टेस्ट

RevSportz स्पोर्ट्स के मुताबिक रोहित शर्मा और केएल राहुल 30 से 31 अगस्त के बीच यो-यो टेस्ट दे सकते हैं. इसके अलावा कई बड़े क्रिकेटर बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (COE) में अपनी-अपनी फिटनेस टेस्ट के लिए लाइन में लगेंगे, लेकिन दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को लेकर अभी तक कोई खबर नहीं आ रही है कि वो इस टेस्ट को कब देंगे.

रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले सितंबर में ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ वनडे सीरीज खेलना चाहते हैं. इसके लिए उन्होंने प्रैक्टिस भी शुरू कर दी है. भारत-ए और ऑस्ट्रेलिया-ए के बीच ये सीरीज 30 सितंबर से शुरू होकर 5 अक्टूबर तक कानपुर में खेली जाएगी. टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने वनडे सीरीज की शुरुआत 19 अक्टूबर से करेगी. इस सीरीज में रोहित शर्मा और विराट कोहली खेलते हुए दिख सकते हैं. इसके लिए दोनों खिलाड़ियों को अपनी फिटनेस साबित करनी होगी.

रोहित शर्मा 30 से 31 अगस्त के बीच यो-यो टेस्ट दे सकते हैं. केएल राहुल भी इसी दिन इस टेस्ट को देंगे, लेकिन विराट कोहली को लेकर अभी तक कोई खबर नहीं है. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज में अगर रोहित शर्मा और विराट कोहली अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो उन्हें आगे मौका मिल सकता है. ये दोनों खिलाड़ी साल 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप में खेलने की इच्छा जता चुके हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें अपनी फिटनेस पर कड़ी मेहनत करनी होगी. इस दौरान T20I टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव को COE से फिटनेस क्लियरेंस मिल गया है. उन्होंने बेंगुलुरु में 5 से 6 हफ्ते तक रिहैब में बिताया था.

विराट कोहली-रोहित शर्मा को इतने करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली. भारत में हाल ही में पारित ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है. इस बिल ने रियल मनी गेमिंग (RMG) पर पूरी तरह से बैन लगा दिया है, जिसमें फैंटेसी क्रिकेट, रम्मी और पोकर जैसे खेल शामिल हैं. इस कानून का असर न केवल गेमिंग उद्योग पर पड़ा है, बल्कि भारतीय क्रिकेट, खिलाड़ियों, और इससे जुड़े स्पॉन्सरशिप पर भी गहरा प्रभाव डालने की संभावना है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, रोहित शर्मा, विराट कोहली और एमएस धोनी जैसे दिग्गजों को करोड़ों रुपए का नुकसान होने वाला है.

भारतीय खिलाड़ियों को होगा करोड़ों का नुकसान!

21 अगस्त 2025 को भारत की संसद ने ऑनलाइन गेमिंग को बढ़ावा देने और नियमन करने वाला बिल पारित किया, जिसमें रियल मनी गेमिंग पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई. इस बिल के तहत, रियल मनी से जुड़े ऑनलाइन गेम्स को खेलने या होस्ट करने पर 3 साल की जेल और 1-2 करोड़ रुपए तक का जुर्माना हो सकता है. इसके अलावा, इस तरह के प्लेटफॉर्म्स के प्रचार, विज्ञापन पर भी बैन लगाया गया है. कई भारतीय क्रिकेटर इन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स के ब्रांड एम्बेसडर हैं. इस बिल के बाद इन खिलाड़ियों की कमाई पर भी असर पड़ सकता है. रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह , केएल राहुल , ऋषभ पंत, हार्दिक और क्रुणाल पंड्या ड्रीम11 के साथ जुड़े हुए थे. वहीं, भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल , मोहम्मद सिराज , यशस्वी जायसवाल , ऋतुराज गायकवाड़ , रिंकू सिंह और सौरव गांगुली My11 Circle का प्रचार कर रहे थे. विराट कोहली ने भी MPL का प्रचार किया था, जबकि एमएस धोनी ने WinZO का प्रचार किया.क्रिकबज़ की एक रिपोर्ट के अनुसार मुताबिक,कोहली का कॉन्ट्रैक्ट लगभग 10-12 करोड़ रुपए सालाना का था, जबकि रोहित शर्मा और धोनी को 6-7 करोड़ रुपए मिलते थे.

बीसीसीआई को भी लगेगा बड़ा झटका

अभी तक IPL और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) रियल मनी गेमिंग कंपनियों से मिलने वाले स्पॉन्सरशिप पर बहुत हद तक निर्भर था. ड्रीम11 ने भारतीय टीम के लिए 358 करोड़ रुपए और माय11सर्कल ने IPL के लिए 625 करोड़ रुपए के स्पॉन्सरशिप सौदे किए हैं. इस बिल के लागू होने से ये सौदे खतरे में पड़ सकते हैं, जिससे क्रिकेट की अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ सकता है.

थ्रिसूर टाइटंस और कोच्चि ब्लू टाइगर्स के बीच खेले गए मुकाबला

1 गेंद पर बनाए 13 रन...

नई दिल्ली. केरल क्रिकेट लीग (केसीएल) 2025 में संजू सैमसन ने एक बार फिर अपनी बल्लेबाजी का जलवा दिखाया है. एशिया कप 2025 से पहले संजू ने थ्रिसूर टाइटंस और कोच्चि ब्लू टाइगर्स के बीच खेले गए मुकाबले में कुछ ऐसा कारनामा किया, जिसने सभी को हैरान कर दिया. उन्होंने एक ही गेंद पर 13 रन बनाकर क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी. संजू ने इस मैच में एक तूफानी अर्धशतक जड़ा. इस लीग में उनका प्रदर्शन अभी तक काफी दमदार रहा है.

संजू सैमसन ने 1 गेंद पर बनाए 13 रन : कोच्चि ब्लू टाइगर्स की ओर से खेलते हुए संजू सैमसन ने थ्रिसूर टाइटंस के खिलाफ इस मुकाबले में 46 गेंदों में 89 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें 4 चौके और 9 छक्के शामिल रहे. इस दौरान उन्होंने एक गेंद पर 13 रन बटोरे. यह कारनामा संभव हुआ एक नो-बॉल और फ्री-हिट के संयोजन से. गेंदबाज ने पहली गेंद नो-बॉल फेंकी, जिसे संजू ने बखूबी भुनाया और छक्का जड़ दिया. इसके बाद फ्री-हिट पर भी उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी और एक और विशाल छक्का लगाकर कुल 13 रन जोड़े. ये कारनामा उन्होंने मैच के पांचवें ओवर **में सिजोमन जोसेफ के खिलाफ किया.:** संजू सैमसन का केसीएल में प्रदर्शन इस समय चरम पर है. कुछ दिन पहले ही उन्होंने एक शानदार शतक जड़ा था, और अब इस पारी ने उनकी फॉर्म को और मजबूत किया है. 89 रनों की उनकी पारी में कई शानदार शॉट्स शामिल थे, जिनमें गेंदबाजों को कोई मौका नहीं मिला. उनकी इस पारी ने उनकी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया. वहीं, इस पारी के साथ सैमसन अब केसीएल 2025 में रन बनाने की लिस्ट में भी टॉप स्थान पर हैं. उन्होंने टूर्नामेंट में 74 की शानदार औसत से 223 रन बना लिए हैं.

क्या एशिया कप में मिलेगा मौका?

संजू सैमसन को एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है, लेकिन वह प्लेइंग 11 का हिस्सा होंगे या नहीं ये अभी तक साफ नहीं है. दरअसल, शुभमन गिल की स्क्वॉड का हिस्सा हैं और वह अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करने के बड़े दावेदार हैं. लेकिन संजू सैमसन का हालिया फॉर्म टीम मैनेजमेंट का ध्यान जरूर खींच रहा होगा.

मैच फिक्सिंग के आरोप में फंसा ये बल्लेबाज

मंडराया 5 साल के बैन का खतरा

नई दिल्ली. क्रिकेट और मैच फिक्सिंग का पुराना नाता रहा है. अभी तक कई स्टार खिलाड़ी इसमें फंस चुके हैं. एक बार फिर क्रिकेट जगत में मैच फिक्सिंग का खुलासा हुआ है. ये मामला बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के लिस्ट ए टूर्नामेंट ढाका प्रीमियर लीग के पिछले सीजन से जुड़ा है. जिसके चलते अब एक खिलाड़ी पर 5 साल का बैन लग सकता है. बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) की एंटी-करप्शन यूनिट (ACU) ने इस खिलाड़ी के खिलाफ एक्शन लेने की सिफारिश की है.

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) की एंटी-करप्शन यूनिट (ACU) ने बल्लेबाज मिन्हाजुल आबेदीन सब्बीर पर ढाका प्रीमियर लीग (DPL) में मैच फिक्सिंग के आरोपों के चलते कम से कम पांच साल के बैन की सिफारिश की है. यह विवाद ढाका प्रीमियर लीग 2025 के एक मुकाबले से जुड़ा है, जिसमें शाइन-पुकुर क्रिकेट क्लब और गुलशन क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया मैच संदेह के घेरे में आया था. इस मैच में दो असामान्य डिसमिसल ने सभी का ध्यान खींचा. पहला मामला सलामी बल्लेबाज रहीम अहमद का था, जिन्हें बिना वापस लौटने की कोशिश किए स्टंप आउट किया गया था. लेकिन सबसे ज्यादा विवाद तब हुआ, जब सब्बीर ने 44वें ओवर में अपनी क्रीज के अंदर झुककर और बिना किसी बाधा के स्टंपिंग का मौका दिया. इस अजीबोगरीब डिसमिसल ने मैच फिक्सिंग की आशंका को जन्म दिया था.

BCB की एंटी-करप्शन यूनिट ने इस मामले की गहन जांच की और पाया कि सब्बीर ने BCB के एंटी-करप्शन कोड के कई नियमों का उल्लंघन किया. जांच में सामने आया कि सब्बीर संदिग्ध सट्टेबाजों के संपर्क में थे और उन्होंने इन संपर्कों की जानकारी बोर्ड को नहीं दी, जो कोड के तहत गंभीर उल्लंघन है. ACU ने अपनी रिपोर्ट में कम से कम पांच साल के बैन की सिफारिश की है, जिसमें आठ से दस साल तक की सजा की संभावना भी शामिल है. इस मामले को अब BCB के एंटी-करप्शन ट्रिब्यूनल को सौंपा गया है, जो आखिरी फैसला लेगा.

एक्शन मोड़ में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड

BCB ने इस मामले को क्रिकेट में भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी जीरो-टॉलरेंस नीति का हिस्सा बताया है. अधिकारियों ने इसे एक चेतावनी के रूप में देखा है और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने की बात कही है. ACU ने सुझाव दिया है कि घरेलू टूर्नामिंट्स में संचार नियमों को और सख्त किया जाए, बड़े मैचों में एंटी-करप्शन इंस्पेक्टर की तैनाती हो, और सट्टेबाजी बाजारों की रीयल-टाइम निगरानी की जाए. इसके अलावा, अगर सब्बीर दोषी पाए जाते हैं, तो उन्हें क्रिकेट में वापसी के लिए पुनर्वास कार्यक्रमों से गुजरना होगा, जिसमें युवा खिलाड़ियों को भ्रष्टाचार के खतरों के बारे में जागरूक करना शामिल है.